सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–226 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 04 सितंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सु-विचार

" दिल के सच्चे लोग भले ही जीवन में अकेले रह जाते हैं लेकिन ऐसे लोगों का साथ भगवान जरूर देते हैं ...!!

अज्ञात...

विदेशी निवेशकों की बड़ी वापसी, अगस्त में 31 हजार करोड़ के शेयर खरीदे

एक्सपट्‌र्स का मानना है कि इसे अभी पूरी तरह ट्रेंड रिवर्सल कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन लगातार खरीदारी पॉजिटिव संकेत है

नई दृष्टिबिंदु / मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की जोरदार वापसी हुई है। अगस्त महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII/FPI) ने करीब 31,000 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं, जो पिछले 23 महीनों में सबसे बड़ा मासिक निवेश है। जून में जहां FIIs ने 49,340 करोड़ रुपए बाजार से निकाले थे, वहीं जुलाई–अगस्त में लगातार दो महीने शुद्ध खरीदारी देखने को मिली है।

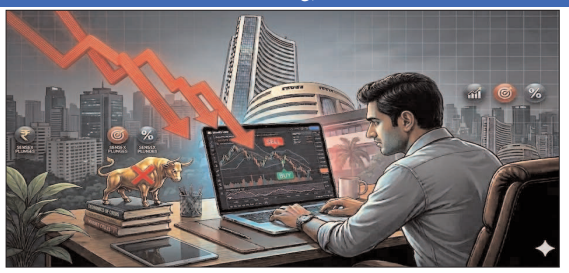

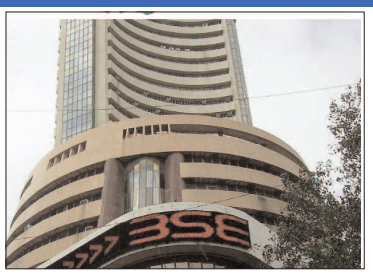

वापसी की तीन बड़ी वजह

बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक इसकी तीन मुख्य वजह हैं। पहला, RBI IYe FCNR(B) योजना के जरिए करीब 100 अरब डॉलर (लगभग 9.5 लाख करोड़) का निवेश आया है, जिससे ठफ्क्को रुपए के उतार–चढ़ाव का डर नहीं रहा। दूसरा, जून तिमाही में निफ्टी 50 कंपनियों के मुनाफे में 18 फीसदी की ग्रोथ हुई है, जो 10 तिमाहियों में सबसे ज्यादा है, और GDP ग्रोथ 7.8 फीसदी रही। तीसरा, इस साल निफ्टी में 9 फीसदी करेक्शन के बाद वैल्यूएशन आकर्षक हो गए हैं।

निवेशकों के लिए सलाह

एक्सपट्‌र्स का मानना है कि इसे अभी पूरी तरह ट्रेंड रिवर्सल कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन लगातार खरीदारी पॉजिटिव संकेत है। निवेशकों को घबराहट में फैसले लेने से बचकर 'बाइंग ऑन डिप्स' की रणनीति अपनानी चाहिए और रक्ढ जारी रखनी चाहिए। फार्मा, रियल एस्टेट, डिफेंस और बैंकिंग सेक्टर में अच्छे मौके बन रहे हैं।

चिखली में युवक की हत्या, हाथ–पैर बांधकर पीटा, शव गद्दे में लपेटा – एक संदिग्ध हिरासत में

चिखली में 17 दिन में यह दूसरी हत्या है

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

चिखली के दीनदयाल नगर में 32 वर्षीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक का शव गद्दे में लिपटा मिला है, शरीर पर मारपीट के निशान हैं। मृतक की पहचान रामनगर निवासी अर्जुन वाधवानी के रूप में हुई है, जो पेशे से दुकानदार था।

यह वारदात रामनगर निवासी बबलू उर्फ सुनील वर्मा के किराए के कमरे में हुई, जिसे उसने दो महीने पहले किराए पर लिया था। अर्जुन की कार भी मकान से कुछ दूरी पर लावारिस खड़ी मिली। आशंका है कि वारदात बुधवार–गुरुवार की दरमियानी रात 1 से 4 बजे के बीच हुई।

परिजनों के अनुसार अर्जुन की बबलू से 3–4 दिन पहले ही जान–पहचान हुई थी। बुधवार रात 10 बजे बबलू अर्जुन को बुलाने रामनगर आया और कमरे में खाना–पार्टी की बात कहकर ले गया। इसके बाद अर्जुन का फोन स्विच ऑफ हो गया।

रात भर फोन बंद आने पर सुबह उसकी बहन और दोस्त बबलू के कमरे में उसे ढूंढते पहुंचे। कमरे में ताला लगा था। बबलू ने कहा कि अर्जुन रात में ही निकल गया था। शक होने पर दोस्तों ने ताला तोड़ा तो अंदर अर्जुन की लाश गद्दे में लिपटी मिली। हाथ–पैर बंधे होने के निशान मिले हैं। पुलिस ने बबलू को हिरासत में लिया है।

ढाई घंटे बिजली बंद, पड़ोसियों को भनक नहीं

पड़ोसियों ने बताया कि रात 2 से 4.30 बजे तक बिजली बंद थी और मकान के बाहर 4–5 गाड़ियां खड़ी थीं। पैसे के लेन–देन को लेकर विवाद में हत्या की आशंका जताई जा रही है।

दो महीने बाद होनी थी शादी

अर्जुन अपने परिवार का इकलौता बेटा था। दो महीने बाद उसकी शादी होने वाली थी, रिश्ता तय हो चुका था। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। चिखली में 17 दिन में यह दूसरी हत्या है। इससे पहले 17 अगस्त को सत्यजीत उर्फ फ्यू देशमुख की घर में घुसकर हत्या हुई थी, जिसके आरोपी अब तक पकड़ से बाहर हैं। लगातार बढ़ रही वारदातों से लोगों में आक्रोश है। एसपी कीर्तन राठौर ने बताया कि एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जल्द अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

क्या आरक्षण के अंदर भी चाहिए आरक्षण?

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद तेज हुई सब–कैटेगराइजेशन की बहस

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

देश में आरक्षण की व्यवस्था सामाजिक न्याय की सबसे बड़ी गारंटी मानी जाती है, लेकिन अब एक नया सवाल राष्ट्रीय बहस के केंद्र में है – क्या एक ही आरक्षित वर्ग के भीतर सभी जातियों को आरक्षण का लाभ बराबर मिल रहा है? इसी सवाल से उपवर्गीकरण यानी सब–कैटेगराइजेशन का मुद्दा उठा है।

एक कैटेगरी, कई हकीकतें

जमीनी सच्चाई यह है कि डइउ, रउ या रळ के भीतर आने वाली सभी जातियों की स्थिति एक जैसी नहीं है। उत्तर प्रदेश में यादव और माली या राजस्थान में जाट और सैनी की शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति में बड़ा अंतर है। रउ वर्ग में भी कुछ जातियां शिक्षा और शहरीकरण में आगे निकल गई हैं, जबकि वाल्मीकि, मुसहर जैसी अति पिछड़ी जातियां आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं।

रोहिणी आयोग ने खोली पोल, 97% लाभ 25% जातियों को

डइउ में इस असमानता की जांच के लिए 2017 में जस्टिस जी. रोहिणी की अध्यक्षता में आयोग बना था, जिसने जुलाई 2023 में रिपोर्ट सौंपी। आंकड़े चौंकाने वाले थे।

केंद्रीय नौकरियों और क्क्ळ, क्क्ट जैसे संस्थानों में डइउ कोटे का 97 प्रतिशत लाभ केवल 25 प्रतिशत डइउ जातियों को मिला। 25 प्रतिशत नौकरियां और एडमिशन सिर्फ 10 ओबीसी समुदायों ने हथिया लिए। वहीं 983 ओबीसी जातियां ऐसी थीं जिनका प्रतिनिधित्व शून्य था। यानी कुल डइउ जातियों के 37 प्रतिशत हिस्से को एक भी नौकरी या सीट नहीं मिली।

बबलू और डब्लू की कहानी, क्या है न्याय का असली मतलब

इस बहस को दो सिद्धांतों से समझा जा सकता है। दार्शनिक जॉन रॉल्स कहते हैं कि संसाधनों का निष्पक्ष बंटवारा न्याय है, जबकि अमर्त्य सेन की कैपेबिलिटी अप्रोच कहती है कि सिर्फ मौका देना काफी नहीं, यह देखना जरूरी है कि व्यक्ति उस मौके का उपयोग कर पा रहा है या नहीं।

यदि एक ही डइउ वर्ग के दो युवाओं में से एक के पास महंगी कोचिंग और साधन हैं और दूसरा दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है, तो दोनों को एक समान मानना वास्तविक न्याय नहीं है। यहीं से सब्सटेंटिव इक्वलिटी की मांग उठती है, जो सबसे पिछड़े को अतिरिक्त प्राथमिकता देने की बात करती है। कानूनी लड़ाई भी लंबी रही है। 2004 में ईवी चेन्नईया केस में सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच ने रउ को एक समरूप समूह मानते हुए उपवर्गीकरण से इनकार कर दिया था।

लेकिन 1 अगस्त 2024 को 7 जजों की बेंच ने दविंदर सिंह बनाम पंजाब राज्य केस में ऐतिहासिक फैसला दिया। कोर्ट ने कहा कि रउ–रळ वर्ग भीतर से एक समान नहीं है। राज्य सरकारें ठोस आंकड़ों के आधार पर उपवर्गीकरण कर सकती हैं। यानी आरक्षित कोटे के अंदर कोटा बनाया जा सकता है। फैसले के बाद आंध्र प्रदेश और तेलंगाना ने रउ कोटे को अ, इ, उ समूहों में बांटकर उपवर्गीकरण लागू कर दिया है। हरियाणा और पंजाब में डइउ के भीतर भी ऐसी व्यवस्था पर विचार हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि सब–कैटेगराइजेशन आरक्षण को खत्म करने की नहीं, बल्कि उसे और न्यायपूर्ण बनाने की कवायद है। अगर यह प्रक्रिया जाति जनगणना जैसे ठोस डेटा और पारदर्शिता के साथ लागू हुई, तो आरक्षण का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच सकेगा और सामाजिक न्याय की मूल भावना पूरी होगी।

नशे में गाड़ी चलाने वाले को SP ऑफिस में झाड़ू-पोंछा लगाने का कोर्ट ने दिया आदेश

जांजगीर–चांपा। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के लिए जांजगीर–चांपा कोर्ट ने एक अनोखा फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दूसरी बार नशे में गाड़ी चलाने वाले आरोपी को 15 हजार रुपए जुर्माने के साथ एक महीने तक रढ ऑफिस में झाड़ू–पोंछा लगाने की सजा दी है। यातायात पुलिस ने आरोपी विजय सूर्यवंशी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। सुनवाई में उसने खुद माना कि उसने दूसरी बार शराब पीकर वाहन चलाया। कोर्ट ने मोटरयान अधिनियम की धारा 185 के तहत यह सजा सुनाई। आरोपी ने भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने का आश्वासन दिया है। इससे पहले भी जांजगीर कोर्ट इस तरह के जनकल्याणकारी फैसले देता रहा है।

महिला उत्पीड़न मामले में हाईकोर्ट सख्त, निलंबित IPS डांगी से एक सप्ताह में मांगा जवाब

महिला ने लगाया था गंभीर आरोप

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

महिला पुलिसकर्मी के उत्पीड़न के आरोपों से जुड़े मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच ने निलंबित क्ढर रतनलाल डांगी को एक सप्ताह के भीतर शपथपत्र के साथ जवाब प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।

याचिकाकर्ता महिला बिलासपुर निवासी है और वतर्मान में पुलिस विभाग में सब–इंस्पेक्टर के पद पर पदस्थ है। याचिका में आरोप है कि तत्कालीन आईजी रतनलाल डांगी ने वीडियो कॉल के जरिए बातचीत शुरू की और बाद में व्हाट्सऐप पर अश्लील मैसेज भेजे। वीडियो कॉल के दौरान आपत्तिजनक व्यवहार और विरोध करने पर धमकी देने का भी आरोप है। याचिका में कहा गया है कि बात न मानने पर पति के खिलाफ झूठा केस दर्ज कर जेल भेजने और नक्सल प्रभावित जिले में तबादला कराने की धमकी दी गई।

DGP से शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

पीड़िता ने 15 अक्टूबर 2025 को DGP रायपुर के समक्ष शिकायत की थी। जांच के लिए उक्क्ॠस्तर के अधिकारी और क्क्ॠ आनंद छाबड़ा को जांच अधिकारी बनाया गया, लेकिन पीड़िता का आरोप है कि जांच में आरोपी को बचाने का प्रयास किया गया।

इसके बाद 20 अप्रैल 2026 को महिला ने केंद्रीय गृह विभाग और राज्य के गृह सचिव के समक्ष भी शिकायत की। कार्रवाई नहीं होने पर उसने अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय और ऋषभदेव साहू के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए एक सप्ताह में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई में शासन के जवाब के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

SAIL ने बनाया रिकॉर्ड, अगस्त में बिक्री 13% बढ़ी, उधारी 870 करोड़ घटी

हॉट मेटल उत्पादन 9 प्रतिशत बढ़कर 1.78 मिलियन टन और सेलेबल स्टील उत्पादन 1 प्रतिशत बढ़कर 1.69 मिलियन टन रहा

नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL) ने अगस्त 2026 में उत्पादन और बिक्री दोनों मोर्चों पर मजबूत प्रदर्शन किया है। कंपनी ने हॉट मेटल, क्रूड स्टील और सेलेबल स्टील का अब तक का सर्वश्रेष्ठ अगस्त उत्पादन दर्ज किया है। कंपनी के आंकड़ों के अनुसार अगस्त में क्रूड स्टील उत्पादन 8 प्रतिशत बढ़कर 1.68 मिलियन टन हो गया, जो पिछले साल 1.55 मिलियन टन था। हॉट मेटल उत्पादन 9 प्रतिशत बढ़कर 1.78 मिलियन टन और सेलेबल स्टील उत्पादन 1 प्रतिशत बढ़कर 1.69 मिलियन टन रहा। बिक्री के मोर्चे पर SAIL ने 1.871 मिलियन टन की बिक्री की, जो पिछले साल की 1.654 मिलियन टन से 13 प्रतिशत अधिक है। टियर-1 और टियर-2 रिटेल चैनलों में जोरदार मांग देखी गई। कैश कलेक्शन में 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और इन्वेंट्री में भी बड़ी कमी आई है। कोल्ड रोल्ड, गैल्वेनाइज्ड और अलॉय स्टील जैसे वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स की अब तक की सबसे ज्यादा अगस्त बिक्री हुई।

भारतीय रेलवे को रेल आपूर्ति भी 5 प्रतिशत बढ़कर 1.23 लाख टन हो गई, जिसमें लॉन्ग रेल्स की आपूर्ति 11 प्रतिशत बढ़कर 1.12 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची।

कंपनी ने 31 मार्च 2026 के मुकाबले अपनी उधारी 870 करोड़ रुपए घटा दी है, जिससे वित्तीय स्थिति और मजबूत हुई है। अप्रैल-अगस्त 2026 की अवधि में कुल बिक्री 5.6 प्रतिशत बढ़कर 7.71 मिलियन टन रही।

SAIL के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. ए.के. पंडा ने कहा कि रिकॉर्ड उत्पादन, बिक्री में तेजी और अनुशासित वित्तीय प्रबंधन कंपनी के मजबूत होते आधार को दर्शाता है। बाजार में अच्छी मांग और विस्तार परियोजनाओं के चलते रअक्छ भारत की स्टील खपत की कहानी में बड़ी भूमिका निभाने को तैयार है।

नगर निगम भिलाई के वार्डों का आरक्षण 9 सितंबर को कला मंदिर में होगा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाईनगर।

छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर द्वारा दिनांक 08 जुलाई 2026 को जारी पत्र के परिपालन में नगर पालिक निगम भिलाई के वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। छत्तीसगढ़ नगर पालिका (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग) एवं महिलाओं के लिए वार्डों का आरक्षण नियम, 1994 के प्रावधानों के तहत नगर निगम भिलाई के वार्डों का आरक्षण किया जाएगा। नगर निगम भिलाई के वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया 09 सितंबर 2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे कला मंदिर, सिविक सेंटर, सेक्टर–6, भिलाई में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में दुर्ग कलेक्टर द्वारा दिनांक 31 अगस्त 2026 को पत्र जारी कर आरक्षण प्रक्रिया के आयोजन की जानकारी दी गई है। आरक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत नगर निगम भिलाई के वार्डों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग तथा महिलाओं के लिए निर्धारित प्रावधानों के अनुसार आरक्षण किया जाएगा। वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया नियमानुसार एवं निर्धारित प्रावधानों के तहत संपन्न होगी। आरक्षण प्रक्रिया को लेकर संबंधित अधिकारियों द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। 09 सितंबर को कला मंदिर में आयोजित होने वाली आरक्षण प्रक्रिया के बाद नगर निगम भिलाई के विभिन्न वार्डों के आरक्षण की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

स्कूली बच्चों ने जाना अपनी विरासत को, रूबरू हुए दुर्ग-भिलाई के इतिहास से

इंटेक दुर्ग-भिलाई चैप्टर की हेरिटेज क्विज में सौ से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट (इंटेक) दुर्ग-भिलाई चैप्टर की ओर से आयोजित हेरिटेज क्विज में बारह स्कूल के सौ से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। दुर्ग-भिलाई चैप्टर की संयोजिका डॉ हंसा शुक्ला ने बताया कि प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विरासत के महत्व को बताना था जिससे विद्यार्थी अपने आस पास के अनमोल धरोहरों के संरक्षण के लिए संकल्पित हो।

दुर्ग स्थित खालसा स्कूल में हुए इस आयोजन में मुख्य वक्ता लेखक/पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन ने विद्यार्थियों को दुर्ग-भिलाई के इतिहास को अत्यंत रोचक ढंग से बताया। जिसमें महात्मा गांधी-जवाहरलाल नेहरू के दुर्ग-भिलाई प्रवास, भिलाई स्टील प्लांट से सेक्टर तक के नामकरण और इनके पहले के सभी गांव से लेकर अब तक के तमाम रोचक तथ्यों को दृश्य-श्रव्य माध्यम से बताया।

अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार गुलबीर सिंह भाटिया ने विद्यार्थियों को आजादी के बाद के दुर्ग और यहां के प्रमुख मोहल्लों-इमारतों से परिचित कराया। उन्होंने सीमा पार के अपने जन्म स्थान से जुड़ी भावनात्मक यादें भी बांटी और प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से जुड़ा किस्सा भी साझा किया।

आयोजन में इन्टेक दुर्ग-भिलाई से डॉ रजनी नेल्सन, शानू मोहनन और विश्वास तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में खालसा पब्लिक स्कूल की व्याख्याता राजेंदर कौर, दिव्या सिंह एवं खालसा पब्लिक महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ सुनीता बोकडे ने विशेष योगदान दिया।

इन बच्चों ने क्विज में मारी बाजी

क्विज के लिखित चरण में इक्यावन टीम में विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन कर डीएवी पब्लिक स्कूल और शारदा विद्यालय के विद्यार्थियों ने चार सबसे अच्छी टीम में स्थान प्राप्त कर मौखिक चरण में स्थान बनाया। मौखिक चरण में भारतीय संस्कृति, व्यक्तित्व, राज्य, शहर और इंटेक से जुड़े प्रश्न पूछे गए। दूसरे चरण के बाद डीएवी पब्लिक स्कूल हुडको के प्रखर साहू-कातिर्केय सिंह प्रथम, शारदा विद्यालय रिसाली के सात्विक साहू-लिनयेश द्वितीय, हर्षिका साहू-अनामिका चतुर्वेदी तृतीय तथा आंशिक जांभुलकर-गुंजन साहू चौथे स्थान पर रहे। क्विज प्रतियोगिता में देहली पब्लिक स्कूल रिसाली, भिलाई, महर्षि दयानंद आर्य विद्यालय भिलाई, श्री शंकरा विद्यालय भिलाई, मैत्री विद्या निकेतन भिलाई, शारदा विद्यालय भिलाई, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय दुर्ग, खालसा पब्लिक स्कूल दुर्ग, एसडीबी पब्लिक स्कूल दुर्ग, विद्यापीठ उच्चतर माध्यमिक शाला दुर्ग, स्वामी आत्मानंद जेआरडी शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दुर्ग एवं बीआरजे शासकीय कन्या विद्यालय दुर्ग के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

खास खबर

त्योहारी सीजन से पहले दुर्ग पुलिस सख्त 141 DJ संचालकों का बाउंड ओवर

नयमों का उल्लंघन करने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी

नई दृष्टिबिंदु /दुर्ग

त्योहारी सीजन और रात्रिकालीन आयोजनों को देखते हुए दुर्ग पुलिस ने ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए बड़ी कार्रवाई की है। जिले में 141 ऊख संचालकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर उन्हें बाउंड ओवर कराया गया है। पुलिस ने थाना स्तर पर DJ संचालकों को बुलाकर सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों और ध्वनि प्रदूषण नियमों की जानकारी दी। उन्हें निर्धारित समय और ध्वनि सीमा में ही DJ बजाने की हिदायत दी गई। पुलिस का कहना है कि त्योहारों के दौरान सार्वजनिक शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी बढ़ाई गई है। नियमों का उल्लंघन करने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसों में मौतें 28% घटीं, आठ माह में 69 लोगों की बची जान

इस वर्ष अब तक 69 मौतें कम हुई हैं, जो करीब 27 .94 प्रतिशत यानी 28 प्रतिशत की कमी है

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

जिले में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए यातायात पुलिस की ओर से की जा रही प्रवर्तन कार्रवाई और जनजागरूकता अभियानों का असर दिखाई देने लगा है। जनवरी से अगस्त 2026 के बीच सड़क हादसों में 178 लोगों की मौत हुई, जबकि 2025 की इसी अवधि में यह आंकड़ा 247 था। इस तरह इस वर्ष अब तक 69 मौतें कम हुई हैं, जो करीब 27.94 प्रतिशत यानी 28 प्रतिशत की कमी है।

यातायात पुलिस के अनुसार जनवरी से अगस्त तक प्रत्येक माह में पिछले वर्ष की तुलना में मौतों में कमी दर्ज की गई। जनवरी में 47 के मुकाबले 35, फरवरी में 30 के मुकाबले 23, मार्च में 37 के मुकाबले 29, अप्रैल में 40 के मुकाबले 22, मई में 23 के मुकाबले 19, जून में 27 के मुकाबले 15, जुलाई में 21 के मुकाबले 20 और अगस्त में 22 के मुकाबले 15 लोगों की मौत हुई।

हेलमेट-सीट बेल्ट पर सख्ती

सड़क हादसों में मौतों को कम करने के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट चेकिंग, शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई, तेज व लापरवाही से वाहन चलाने वालों की निगरानी तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई गई है। जिले के पांच प्रमुख चौकों को ह्यसुरक्षा चौकह्न के रूप में चिन्हांकित कर यातायात नियमों के उल्लंघन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

ब्लैक स्पॉट, ग्रे स्पॉट और दुर्घटना जन्य स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। शाम से देर रात तक शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश करने वाले भारी वाहनों पर भी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

460 जागरूकता अभियान, 1.28 लाख लोग हुए जागरूक

यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए जनवरी से अगस्त 2026 तक 460 जनजागरूकता अभियान आयोजित किए गए। इनमें 1,28,017 लोगों को हेलमेट, सीट बेल्ट, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने सहित सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी गई। पुलिस के अनुसार लगातार हेलमेट चेकिंग और जागरूकता अभियानों के चलते दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट के प्रति जागरूकता बढ़ी है। उपलब्ध आकलन के मुताबिक वर्तमान में जिले में करीब 80 प्रतिशत दोपहिया चालक हेलमेट का उपयोग करते पाए जा रहे हैं।

सड़क इंजीनियरिंग की कमियों पर भी काम

पुलिस द्वारा दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण कर सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों में सड़क इंजीनियरिंग से जुड़ी कमियों को भी उठाया जा रहा है। दुर्घटना संभावित स्थानों पर आवश्यक सुधार कार्य कराने के साथ प्रमुख मार्गों और ब्लैक स्पॉट की लगातार निगरानी की जा रही है। दुर्ग पुलिस ने वाहन चालकों से हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, गति सीमा का पालन करने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि सड़क सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है और यातायात नियमों का पालन कर स्वयं के साथ दूसरों का जीवन भी सुरक्षित किया जा सकता है।

किराये की कार को अपना बताकर बेचने का प्रयास, फर्जी दस्तावेजों के साथ आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

किराये पर ली गई कार को अपना वाहन बताकर दूसरे व्यक्ति को बेचने का प्रयास करने वाले आरोपी को खुर्सीपार पुलिस ने शिकायत मिलने के चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कार भी बरामद की है। आरोपी ने कार किराये पर लेने के दौरान फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस का इस्तेमाल किया था।

पुलिस के अनुसार, 2 सितंबर को प्रार्थी हिमांशु वैष्णव ने थाना खुर्सीपार में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी शुभम अनिल रामटेके (30), निवासी नागपुर, महाराष्ट्र ने फर्जी पहचान संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत कर कार क्रमांक उरू10 इए 6250 किराये पर ली थी। इसके बाद आरोपी ने उक्त कार को अपना वाहन बताकर किसी अन्य व्यक्ति को बेचने का प्रयास किया।शिकायत पर खुर्सीपार पुलिस ने अपराध क्रमांक 388/2026 दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध आरोपी को कुछ ही घंटों में हिरासत में ले लिया। पूछताछ और विवेचना के दौरान आरोपी की संलिप्तता सामने आने पर गवाहों के समक्ष कार बरामद की गई।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। उसके खिलाफ इठर की धारा 318(4), 319(2), 336(3), 337, 338 एवं 340(2) के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने किराये पर प्राप्त कार को अपना वाहन दर्शाने के लिए फर्जी पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल किया और उसे दूसरे व्यक्ति को स्वयं का वाहन बताकर बेचने का प्रयास किया। घटना छावनी ओवरब्रिज के नीचे निखिल होटल के पास, खुर्सीपार की है। कार्रवाई में थाना खुर्सीपार के निरीक्षक लक्ष्मण केवट सहित थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने नागरिकों से वाहन खरीदते या बेचते समय वाहन के दस्तावेज और स्वामित्व का सत्यापन करने की अपील की है।

गणेशोत्सव को लेकर प्रशासन सख्त, प्रमुख मार्गों पर प्रदर्शन व जुलूस पर प्रतिबंध

नई दृष्टिबिंदु /भिलाईनगर।

गणेशोत्सव पर्व को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार शहर के प्रमुख मार्गों पर राजनीतिक, सामाजिक, व्यवसायिक एवं कमर्चारी संगठनों द्वारा धरना-प्रदर्शन, जुलूस, सभा, रैली आयोजित करने तथा टेंट, माइक एवं फर्नीचर आदि लगाने पर प्रतिबंध रहेगा।

गणेश पंडालों में आयोजन के लिए नगरीय निकाय द्वारा निर्धारित शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक पंडाल एवं आयोजन की अनुमति प्राप्त करना आवश्यक रहेगा। पंडालों में किसी भी प्रकार का आयोजन या कार्यक्रम होने के दौरान यदि गंदगी पाई जाती है, तो संबंधित आयोजन समिति को नगर निगम भिलाई में स्वच्छता सुरक्षा निधि के रूप में निर्धारित राशि जमा कराना अनिवार्य होगा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए पंडालों में महिला एवं पुरुषों के लिए पर्याप्त संख्या में अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था अनिवार्य की है। इसके साथ ही प्रत्येक आयोजन स्थल, चाहे वह 5 हजार वगर्फीट से कम हो अथवा अधिक, वहां सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य होगा।

आईआईएम रायपुर में बीएसपी की महिला अधिकारियों को नेतृत्व विकास का प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

महिला अधिकारियों की नेतृत्व क्षमता और प्रबंधकीय दक्षताओं को मजबूत करने के उद्देश्य से सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की महिला अधिकारियों के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर में तीन दिवसीय ह्यमहिला नेतृत्व उत्कृष्टता पर प्रबंधन विकास कार्यक्रमह्न आयोजित किया गया। 31 अगस्त से 2 सितंबर तक चले इस कार्यक्रम में महिला अधिकारियों ने नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य महिला अधिकारियों को संगठन में व्यापक और रणनीतिक भूमिकाओं के लिए तैयार करना तथा उनकी नेतृत्व क्षमताओं को सुदृढ़ करना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को अपनी नेतृत्व शैली का मूल्यांकन करने, आत्म-जागरूकता बढ़ाने और बदलते व्यावसायिक परिवेश में प्रभावी नेतृत्व के लिए आवश्यक दक्षताएं विकसित करने का अवसर मिला।

कार्यक्रम का उद्घाटन 31 अगस्त को प्रो. संजीव प्रशार, निदेशक-प्रभारी, आईआईएम रायपुर और संजीव कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास), भिलाई इस्पात संयंत्र की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम निदेशक प्रो. ऋतु गुप्ता एवं प्रो. दामिनी ने किया।

प्रो. संजीव प्रशार ने सुदृढ़ और समावेशी संगठनों के निर्माण में महिला नेतृत्व की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने निरंतर सीखने, रणनीतिक सोच और जटिल व्यावसायिक परिस्थितियों में प्रभावी निर्णय लेने की क्षमता को महत्वपूर्ण बताया। वहीं संजीव कुमार श्रीवास्तव ने संगठन में महिला नेताओं की मजबूत नेतृत्व श्रृंखला विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिला पेशेवरों की नेतृत्व दक्षताओं को मजबूत करने वाली विकासात्मक पहलें संगठन के दीघर्कालिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण में विशेषज्ञ सत्रों के साथ केस स्टडी, अनुभवात्मक ज्ञानार्जन, सहकर्मी संवाद और चिंतनपरक अभ्यास कराए गए। रणनीतिक नेतृत्व, आत्म-जागरूकता, संचार, निर्णय-निर्माण, हितधारक प्रबंधन, प्रभाव क्षमता, परिवर्तन का नेतृत्व और प्रामाणिक नेतृत्व पहचान जैसे विषयों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला अधिकारियों ने अपनी नेतृत्व क्षमता के मजबूत पक्षों और विकास के क्षेत्रों का आकलन किया तथा विभिन्न कार्यक्षेत्रों से आई महिला पेशेवरों के साथ अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण से प्राप्त सीख को व्यावहारिक व्यक्तिगत नेतृत्व कायर्योजनाओं में बदलने पर भी जोर दिया गया।

यह पहल बीएसपी में महिला नेतृत्व प्रतिभा को विकसित करने और विविधतापूर्ण, सक्षम तथा भविष्य के लिए तैयार नेतृत्व श्रृंखला तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

'रण नीति 2026' में अधिकारियों ने दिखाई रणनीतिक सोच और निर्णय क्षमता

प्रतियोगिता में कुल 32 टीमों ने हिस्सा लिया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के एचआर-एल एंड डी सेंटर में 1 एवं 2 सितंबर को दो दिवसीय ह्यरण नीति 2026 झ डायरेक्टर (पर्सनल) कपह्न बिजनेस सिमुलेशन प्रतियोगिता आयोजित की गई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (अक्टअ) के सहयोग से इसका आयोजन किया। प्रतियोगिता में अधिकारियों ने सिमुलेटेड व्यावसायिक परिस्थितियों में रणनीतिक सोच, विश्लेषणात्मक कौशल और निर्णय लेने की क्षमता का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में कुल 32 टीमों ने हिस्सा लिया। बीएसपी की टीमों के अलावा सेलम स्टील प्लांट (ररढ) की एक तथा सेल-रिफ्रैक्टरी यूनिट (रफ्ब) की दो टीमों ने भी भागीदारी की। इससे प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा के साथ विभिन्न संयंत्रों और इकाइयों के बीच अनुभव साझा करने का अवसर मिला।

उद्घाटन समारोह में कायर्पालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए रणनीतिक सोच और व्यावहारिक निर्णय क्षमता को प्रबंधन की महत्वपूर्ण दक्षता बताया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (इटऊऌ) सौरभ वर्ष्णेय, उप महाप्रबंधक (एचआर-एल एंड डी) वाई. एस. जोहरी तथा फैकल्टी सदस्य सी. एस. रस्तोगी और प्रदीप कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समन्वय सौरभ वर्ष्णेय के मार्गदर्शन में किया गया। बिजनेस सिमुलेशन के लिए सी. एस. रस्तोगी और प्रदीप कुमार ने फैकल्टी की भूमिका निभाई। प्रतिभागियों ने सिमुलेटेड व्यावसायिक चुनौतियों के बीच रणनीति तैयार करने, विश्लेषण करने और प्रबंधकीय निर्णय लेने की जटिलताओं का अनुभव प्राप्त किया।

पीएसडी की टीम रही विजेता

प्रतियोगिता में विजेता टीम में सहायक महाप्रबंधक (पीएसडी) निकुंज कुमार, सहायक महाप्रबंधक (पीएसडी) सचिन प्रधान, वरिष्ठ प्रबंधक (पीएसडी) विजय कुमार देशमुख, प्रबंधक (एफ एंड ए) तनिमा वासन, प्रबंधक (एलडीसीपी/आरएमपी-3) विनय कुमार पवार तथा उप प्रबंधक (ए एंड डी-ईटीएल) गीतांजलि साहू शामिल रहे। प्रथम उपविजेता टीम में वरिष्ठ प्रबंधक (एसएमएस-3) अरुण कुमार भगत, प्रबंधक (एसएमएस-3) नीरज श्रीकिशन तोसनीवाल, वरिष्ठ प्रबंधक (एसएमएस-3) राजेश शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (ओएचपी) आशीष अग्रवाल, सहायक महाप्रबंधक (बीएफ-8) विकास प्रताप पिपरानी तथा सहायक महाप्रबंधक (स्टोर्स) रवि कुमार शामिल रहे।

पांच मामलों में आरोपी रवि निगम जिला बदर एक साल तक 7 जिलों में प्रवेश पर रोक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग।

आपराधिक गतिविधियों में लगातार संलिप्तता के चलते जिला दंडाधिकारी दुर्ग ने रवि निगम (35), निवासी रावण भाठा, सुपेला के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की है। छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5(ख) के तहत पारित आदेश के अनुसार उसे एक वर्ष तक दुर्ग समेत सात जिलों की सीमा से बाहर रहना होगा।

आदेश के मुताबिक रवि निगम को आदेश की तिथि से एक सप्ताह के भीतर प्रतिबंधित जिलों की सीमा से बाहर जाना होगा। निर्धारित अवधि में सक्षम अनुमति के बिना वह दुर्ग, बालोद, धमतरी, बेमेतरा, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई और रायपुर जिले की सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेगा।

पुलिस के अनुसार रवि निगम के खिलाफ वर्ष 2013 से 2025 तक कुल पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें थाना सुपेला में वर्ष 2013, 2018 और 2023 के तीन मामले तथा वर्ष 2023 में एक अन्य मामला दर्ज है। इसके अलावा थाना पद्मनाभपुर में वर्ष 2025 में बीएनएस की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था।

जिला बदर प्रकरण क्रमांक 01/2026 में पुलिस प्रतिवेदन, आपराधिक रिकॉर्ड, अभियोजन साक्षियों के कथन, बचाव पक्ष के जवाब और अन्य दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। पुलिस प्रतिवेदन में लोगों को डराने-धमकाने, मारपीट तथा विवाद की स्थिति में भीड़ जुटाकर अशांति पैदा करने जैसी गतिविधियों में संलिप्तता का उल्लेख किया गया है। पूर्व में की गई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के बावजूद अपेक्षित प्रभाव नहीं होने और लोक शांति एवं कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जिला दंडाधिकारी ने जिला बदर का आदेश जारी किया। पुलिस ने बताया कि रवि निगम के खिलाफ दर्ज मामलों में मारपीट, गाली-गलौज, धमकी, रास्ता रोकने और नुकसान पहुंचाने जैसी धाराएं शामिल हैं।

छात्रों का कल्याण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हो प्राथमिकता : राज्यपाल डेका

o

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि विश्वविद्यालयों की सर्वोच्च प्राथमिकता छात्रों का कल्याण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा होनी चाहिए। वे आज राजभवन में निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक ले रहे थे।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को ठअअउ में बेहतर ग्रेडिंग के लिए तैयारी करनी चाहिए। प्रत्येक विश्वविद्यालय में कम से कम 1000 विद्यार्थियों की संख्या सुनिश्चित करने और शिक्षक-छात्र अनुपात संतुलित रखने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने कहा कि पीएचडी प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। पंजीयनों की रैंडम चेकिंग कराई जाएगी। ऐसे शोध को बढ़ावा दें जो समाज के काम आए।

नए पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले सर्वे करें और रोजगारपरक विषयों को प्राथमिकता दें। एनवायरनमेंटल साइंस, साइबर सिक्योरिटी जैसे इंटीग्रेटेड कोर्स शुरू करने को कहा।

उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों को गांव गोद लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता और ब्रेस्ट कैंसर सर्वे जैसे कार्यक्रम चलाने, छात्रों को योग से जोड़ने, छत्तीसगढ़ी भाषा पर शोध और नशा मुक्ति अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, उच्च शिक्षा सचिव अविनाश चंपावत सहित सभी कुलपति मौजूद रहे।

खास खबर

देवभोग ब्रांड गुणवत्ता और विश्वास का प्रतीक : मंत्री रामविचार नेताम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि देवभोग ब्रांड गुणवत्ता और विश्वास का प्रतीक बन चुका है। दुर्ग के उरला (कुम्हारी) स्थित दुग्ध महासंघ द्वारा आयोजित दुग्ध किसान सम्मेलन में वे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंत्री ने उरला संयंत्र में नवीन कैंटीन का उद्घाटन किया और संयंत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने पशुपालकों के लिए मार्गदर्शिका पुस्तिका, देवभोग के रेडियो जिंगल, रिंगटोन और प्रेरक गीत का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य डेयरी क्षेत्र को आत्मनिर्भर और आधुनिक बनाना है। दुग्ध संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है ताकि किसानों की आय बढ़े। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप देवभोग को देश में स्थापित किया जाएगा। सम्मेलन में पशु चिकित्सा संचालक चंद्रकांत वर्मा, ठउळइ के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में दुग्ध उत्पादक मौजूद रहे।

उरला संयंत्र में नवीन कैंटीन का उद्घाटन किया और संयंत्र का निरीक्षण किया

साइबर अपराध से बचाव के लिए सतकर्ता जरूरी : मंत्री रामविचार नेताम

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में साइबर जागृति अभियान की कार्यशाला में कही

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

डिजिटल युग में साइबर अपराधों का खतरा तेजी से बढ़ा है, इससे बचने के लिए जागरूकता और सतकर्ता अत्यंत आवश्यक है। यह बात कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित साइबर जागृति अभियान की कार्यशाला में कही।

छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक 6 सप्ताह का साइबर जागृति अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य छात्र, युवा, महिला और वरिष्ठ नागरिकों को ऑनलाइन ठगी से बचाना है।

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने बताया कि 4 वर्षों में देश में साइबर अपराध 12 गुना और ठगी की राशि 40 गुना बढ़ी है। रोजाना 61 करोड़ रुपए की ठगी हो रही है। उन्होंने बचाव के उपाय बताते हुए कहा कि डळढ, बैंक खाता, पासवर्ड किसी से साझा न करें, अनजान लिंक पर क्लिक न करें और फर्जी नौकरी, निवेश, डिजिटल अरेस्ट जैसे झांसों से बचें। ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें या http://www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

सिंचाई योजनाओं के 36 कार्यो के लिए 146.43 करोड़ स्वीकृत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जल संसाधन विभाग ने अपरीक्षित नवीन मद के तहत प्रदेश की विभिन्न सिंचाई योजनाओं के 36 कार्यों के लिए 146 करोड़ 43 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। इन कार्यों के पूरा होने पर हजारों हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा बढ़ेगी।

प्रमुख स्वीकृत कार्य –

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में - * खरला एनीकट के लिए 4.69 करोड़ (90 हेक्टेयर), झिरियानाला स्टॉपडेम 3.87 करोड़ (90 हेक्टेयर), खटम्बर व्यपवर्तन नहर उन्नयन 4.93 करोड़ (296 हेक्टेयर), कोडांगी जीर्णोद्धार 3.38 करोड़, कौड़िया एनीकट 4.50 करोड़, गुडरू व्यपवर्तन 4.99 करोड़। सलबा जलाशय 2.19 करोड़, चम्पाझर 1.95 करोड़, मुरमा जलाशय 4.42 करोड़।

सूरजपुर में - कल्याणपुर 3.89 करोड़, बद्रिकाश्रम 4.43 करोड़, पसला 4.06 करोड़, जामडीह 3.23 करोड़, गंगोटी 4.72 करोड़, डांडकरवां एनीकट 4.09 करोड़, मायापुर-2 के लिए 4.70 करोड़।

बलरामपुर में – चरगढ़ नाला स्टॉपडेम 2.67 करोड़, कामेश्वरनगर जीर्णोद्धार 3.91 करोड़ (215 हेक्टेयर), बाहरचुरा बांध 3.96 करोड़, अलखडीहा 4.31 करोड़।

सरगुजा में – बोदार नाला स्टॉपडेम 3.81 करोड़, बकमेर 4.81 करोड़, चन्दनई व्यपवर्तन 4.98 करोड़ (200 हेक्टेयर), कंचनपुर 4.62 करोड़, मांड नदी एनीकट 4.95 करोड़।

जशपुर में – लुखी जलाशय 4.99 करोड़, हर्री जलाशय 4.99 करोड़, तुम्बाजोर व्यपवर्तन 4.59 करोड़ (415 हेक्टेयर) सहित छठघाट और कार्यालय भवनों के कार्य शामिल हैं।

दृष्टिबाधितों को मुख्यधारा से जोड़ने और अधिक प्रयास जरूरी : राज्यपाल रमेन डेका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए और अधिक प्रयासों की जरूरत है। तकनीक से उन्हें शिक्षा पहुंचाने का वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम का कार्य सराहनीय है।

राजभवन में आज वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम ने राज्यपाल से मुलाकात की। टीम का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ है।

टीम का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉड्र्स में दर्ज हुआ है

राज्यपाल ने टीम के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

यह अभियान 5 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षिका के. शारदा के नेतृत्व में शुरू हुआ। शारदा अब तक 1800 से अधिक ऑडियो बुक तैयार कर चुकी हैं। उनके साथ प्रदेश के 30 शिक्षक-शिक्षिकाएं जुड़े हैं। टीम का लक्ष्य 11 हजार से अधिक ऑडियो बुक तैयार करना है। टीम के चैनल पर 107 प्लेलिस्ट हैं, जिसे 8 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। इस अवसर पर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉड्र्स की छत्तीसगढ़ हेड डॉ. सोनल राजेश शर्मा उपस्थित रहीं।

विलुप्त हो रहे लोक वाद्ययंत्रों को मिला नया जीवन, मांदरी-ढोलक की थाप पर झूमे लोग

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित 'रंग तरंग' कार्यक्रम के तीसरे और अंतिम दिन विलुप्त हो रहे लोक वाद्ययंत्रों की गूंज से परिसर सराबोर हो गया। मांदरी और ढोलक की थाप पर कलाकारों ने ऐसी प्रस्तुति दी कि दर्शक लोक संस्कृति के रंग में रंग गए। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन के साथ हुआ। कलाकारों की लय-ताल ने दशर्कों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संस्कृति संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि लोक वाद्ययंत्र हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं। इन्हें संरक्षित रखना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन कलाकारों को मंच और विरासत को आगे बढ़ाने का काम करते हैं।

संरक्षित रखना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है

अंतिम दिन रायपुर के वायलिन वादक डॉ. के. रोहन नायडू, अंबिकापुर के तबला वादक नासिर खान, बालोद के संजू कुमार सेन और गरियाबंद के प्रेम यादव ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में समाजसेवी उदयभान, वरिष्ठ पत्रकार दीपेंद्र दीवान सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

गृह निर्माण मंडल की कॉलोनियों में चलेगा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान, मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर से किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर शुरू किए गए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अब अपनी सभी आवासीय योजनाओं में चलाएगा। इसकी शुरुआत बुधवार को अंबिकापुर के सरगवां स्थित अटल विहार योजना से हुई। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में वृक्षारोपण किया और बाउंड्रीवाल व ओपन जिम का लोकार्पण किया। मंत्री ने कहा कि यह अभियान केवल वृक्षारोपण नहीं, बल्कि मातृशक्ति के सम्मान और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संकल्प है। प्रदेश में अब तक सवा सात करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि अभियान को चरणबद्ध तरीके से सभी कॉलोनियों में चलाया जाएगा, ताकि कॉलोनियां अधिक हरित और पर्यावरण-अनुकूल बनें। सरगवां में 9.70 एकड़ में 38.59 करोड़ की लागत से 251 भवन बनाए गए हैं। इसमें 14 लक्क्ष 12 र१. टक्क्ष 40 ख१. टक्क्ष 63 छक्क्षऔर 122 एहर शामिल हैं। बाउंड्रीवाल और सड़क कार्य भी पूरे हो चुके हैं। कार्यक्रम में सांसद चिंतामणी महाराज ने अध्यक्षता की। महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

मुख्य सचिव ने ली विभागों में रिक्त पदों और भर्तियों की समीक्षा बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्य सचिव विकासशील ने आज मंत्रालय महानदी भवन में सभी विभागों के भारसाधक सचिवों की उच्च स्तरीय बैठक लेकर रिक्त पदों और भर्तियों की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में विभागों में स्वीकृत, भरे और रिक्त पदों की विभागवार जानकारी ली गई। व्यापमं द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं, भेजे गए इंडेंट की प्रगति, वित्त विभाग से मिली सहमति और अब तक हुई नियुक्तियों का ब्योरा तलब किया गया।

2027 के लिए अधिसूचित होने वाले संभावित पदों और भर्ती नियमों को अपडेट करने पर भी चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने और स्पष्ट काययीजना तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह, सोनमणि बोरा, शहला निगार, सचिव अविनाश चम्पावत, कमलप्रीत सिंह, पी. दयानंद, अमित कटारिया सहित चयन मंडल के अधिकारी मौजूद रहे।

अवैध खनन पर कारर्वाई, GPM में 4 ट्रैक्टर जब्त

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की अवैध खनन के खिलाफ सख्ती के तहत गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में खनिज विभाग ने बड़ी कारर्वाई करते हुए रेत और मिट्टी के अवैध परिवहन में लगे 4 ट्रैक्टर जब्त किए हैं।

कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देश पर टीम ने सिलपहरी क्षेत्र में रेत का अवैध परिवहन करते 3 ट्रैक्टर और ज्योतिपुर तिराहा में ईंट निर्माण के लिए मिट्टी ले जा रहे 1 ट्रैक्टर को पकड़ा। 3 ट्रैक्टर अमरपुर थाना और 1 नगर सैनिक परिसर में रखा गया है। आरोपियों के खिलाफ खान एवं खनिज अधिनियम 1957 की धारा 21(5) और 23(क) के तहत कारर्वाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि प्राकृतिक संसाधन जनता की संपत्ति हैं, इनके अवैध दोहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निगरानी लगातार जारी रहेगी।

संपादकीय

धान से गेंदा की खेती की ओर

धान की खेती करने वाले किसान श्री आनंद राम ने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन और एनएचएम गेंदा क्षेत्र विस्तार योजना का लाभ लेते हुए 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में गेंदा फूल की खेती की। इससे उन्हें लगभग 44 क्विंटल गेंदा फूल का उत्पादन प्राप्त हुआ और बिक्री से 3 लाख 96 हजार रुपये की आय हुई।

लैलूंगा विकासखण्ड के ग्राम-कोड़केल निवासी किसान श्री आनंद राम सिदार पहले अपने खेत मंब धान की खेती करते थे। 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में धान से उन्हें लगभग 10 क्विंटल उत्पादन प्राप्त होता था, जिसे बेचने पर करीब 31 हजार रुपये की आय होती थी। विभिन्न लागतों को घटाने के बाद उनका कुल लाभ लगभग 22 हजार रुपये रहता था। वर्ष 2025-26 में उद्यानिकी विभाग द्वारा किसान को गेंदा फूल की खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया। विभाग की आवश्यक तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन के आधार पर किसान ने अपने 0.400 हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में गेंदा की खेती की। बेहतर प्रबंधन एवं देखरेख के परिणामस्वरूप उन्हें लगभग 44 क्विंटल गेंदा फूल का उत्पादन प्राप्त हुआ। उत्पाद की बिक्री से उन्हें 3 लाख 96 हजार रुपये प्राप्त हुए।

लागत के बाद भी 3.41 लाख रुपये का लाभ

गेंदा की खेती में किसान को इनपुट लागत के रूप में लगभग 20 हजार रुपये, श्रमिक लागत 20 हजार रुपये तथा अन्य खर्च के रूप में करीब 15 हजार रुपये व्यय करना पड़ा। इस प्रकार कुल लागत लगभग 55 हजार रुपये रही। कुल बिक्री आय में से लागत घटाने के बाद किसान को लगभग 3 लाख 41 हजार रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। इस प्रकार परंपरागत धान की खेती से प्राप्त लगभग 22 हजार रुपये के लाभ की तुलना में गेंदा फूल की खेती से किसान की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

दूसरे किसानों के लिए भी बना प्रेरणा का माध्यम

किसान आनंद राम सिदार की गेंदा खेती की सफलता को देखकर गांव के अन्य किसान भी प्रभावित हुए हैं। किसानों में अब पारंपरिक फसलों के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाने और अपनी आय बढ़ाने के प्रति रुचि बढ़ी है। कई किसान भविष्य में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत गेंदा क्षेत्र विस्तार जैसी योजनाओं का लाभ लेने के इच्छुक हैं। अधिकारियो ने बताया कि विभागीय योजनाओं का लाभ लेकर, तकनीकी मार्गदर्शन के साथ पारंपरिक खेती में विविधता लाकर किसान अपनी आमदनी में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

कविता का कोना

मेरे प्यारे कान्हा

मेरे प्यारे कान्हा, इस बार एक झलक दिखा दो, कब से तुमको देखने की आस है, आकर मेरे मन की प्यास बुझा दो।
कृष्ण कन्हैया, मुरली वाले, मैं तेरे चरणों की धूल भी नहीं, फिर भी तेरा नाम लेने से कभी पीछे हटी नहीं।

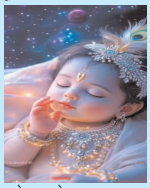

जैसी मेरी साँसें हैं, वैसे तुम मेरे जीवन में हो, दिखते नहीं हो आँखों से, फिर भी हर पल मेरे मन में हो।
मिल जाओगे कभी मुझको, इस बात का यकीन नहीं, क्योंकि मैंने भक्ति की ही कितनी है, मैं तो तेरी भक्त भी कहीं नहीं।
फिर भी दिल तेरा नाम पुकारे, हर धड़कन तुझको याद करे, तेरे नाम की ऐसी दीवानी हूँ, कि दुनिया क्या, खुद को भी भूल जाऊँ।
बस एक बार आकर कान्हा, अपनी मुरली की तान सुना दो, मेरे सूने मन के आँगन में, प्रेम का दीप जला दो।

कवियत्री-ममता दुबे भिलाई

श्रीकृष्ण की गुरुकुल यात्रा में निहित शिक्षा-दर्शन

विशेष लेख प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

भारतीय सनातन परंपरा में श्रीकृष्ण का महर्षि सांदीपनि के आश्रम अर्थात्गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण करना केवल एक पौराणिक प्रसंग नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा-दर्शन का अत्यंत गहन और कालजयी संदेश है। इसमें ज्ञान के साथ विनय, विद्या के साथ विवेक, शिक्षा के साथ अनुशासन, गुरु के प्रति श्रद्धा, श्रम के प्रति सम्मान, सहपाठियों के प्रति संवेदनशीलता तथा अर्जित सामर्थ्य के लोककल्याण में उपयोग की भावना निहित है। आज जब शिक्षा का उद्देश्य मुख्यत : अच्छा रोजगार प्राप्त करना रह गया है और उसका मूल्यांकन प्राय : परीक्षा, अंक, डिग्री तथा प्रतिस्पर्धा में सफलता तक सीमित होता जा रहा है, तब श्रीकृष्ण का गुरुकुल जीवन हमें शिक्षा के व्यापक, मानवीय और जीवनोपयोगी उद्देश्य का स्मरण कराता है।

श्रीकृष्ण ने बाल्यकाल में ही अनेक असाधारण लीलाओं के माध्यम से स्वयं को दिव्य शक्तियों से संपन्न सिद्ध कर दिया था।ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिन्हें भारतीय परंपरा अवतारी पुरुष मानती है, उन्हें शिक्षा ग्रहण करने की आवश्यकता क्यों पड़ी? इसका उत्तर श्रीकृष्ण के आचरण में ही निहित है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह स्थापित किया कि ज्ञान की आवश्यकता किसी एक वर्ग, लिंग, आयु, पद या परिस्थिति तक सीमित नहीं है। वस्तुतः महान से महान व्यक्ति भी सीखने की प्रक्रिया से ऊपर नहीं होता। स्वयं को सर्वज्ञ मान लेने के अज्ञान ज्ञान के प्रति जिज्ञासा और गुरु के प्रति विनम्रता ही वास्तविक विद्वत्ता का लक्षण है।

राजपरिवार से संबंधित होने के बावजूद श्रीकृष्ण ने गुरुकुल में सामान्य शिष्य की तरह जीवन व्यतीत किया और शिक्षा ग्रहण की। उन्होंने किसी विशेषाधिकार की अपेक्षा नहीं की तथा आश्रम की व्यवस्था, अनुशासन और मर्यादाओं का पालन किया। इससे शिक्षा का पहला महत्वपूर्ण संदेश मिलता है कि महानता जन्म, पद, धन या प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि ज्ञान, विनय और आचरण से निर्धारित होती है। शिक्षा के मंदिर में व्यक्ति की सामाजिक स्थिति नहीं, बल्कि उसकी जिज्ञासा, लगन और सीखने की तत्परता उसे श्रेष्ठ शिक्षार्थी बनाती है।

यह संदेश आज के संदर्भ में विशेष रूप से प्रासंगिक है। शिक्षा में समान अवसर, समान सम्मान और समान गरिमा लोकतांत्रिक समाज की मूल आवश्यकताएँ हैं। आर्थिक संसाधनों की असमानता के कारण यदि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अलग-अलग स्तर के शिक्षण संस्थानों पर निर्भर रहना पड़े, तो शिक्षा सामाजिक विषमता को कम करने के बजाय उसे और गहरा कर सकती है। श्रीकृष्ण का गुरुकुल प्रसंग इस बात की प्रेरणा देता है कि शिक्षा व्यक्ति में विशेषाधिकार का अहंकार नहीं, बल्कि समानता, सह-अस्तित्व और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करे।

श्रीकृष्ण की शिक्षा-यात्रा का दूसरा प्रमुख संदेश है-विद्या के साथ विनय। ज्ञान का उद्देश्य अहंकार बढ़ाना नहीं, बल्कि दृष्टि को व्यापक बनाना है।वास्तविक विद्वान वही है जो जितना अधिक जानता है, उतना ही अधिक सीखने की आवश्यकता अनुभव करता है। गुरु के प्रति श्रद्धा और सीखने की प्रक्रिया के प्रति समर्पण इसी विनम्रता के प्रतीक हैं। भारतीय परंपरा में गुरु केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने वाला शिक्षक नहीं, बल्कि जीवन की जटिलताओं को समझने की दृष्टि प्रदान करने वाला मार्गदर्शक माना गया है।

महर्षि सांदीपनि के प्रति श्रीकृष्ण की श्रद्धा और गुरु-दक्षिणा का प्रसंग भी शिक्षा के इसी भाव को पुष्ट करता है। परंपरागत कथा के अनुसार, उन्होंने अपने गुरु के पुत्र को वापस लाकर गुरु-दक्षिणा अर्पित की।इस प्रसंग का मूल संदेश धन अथवा भौतिक भुगतान से कहीं व्यापक है। शिक्षा के प्रति कृतज्ञता केवल शुल्क चुकाने से पूरी नहीं होती; उसका वास्तविक प्रतिदान अर्जित ज्ञान का

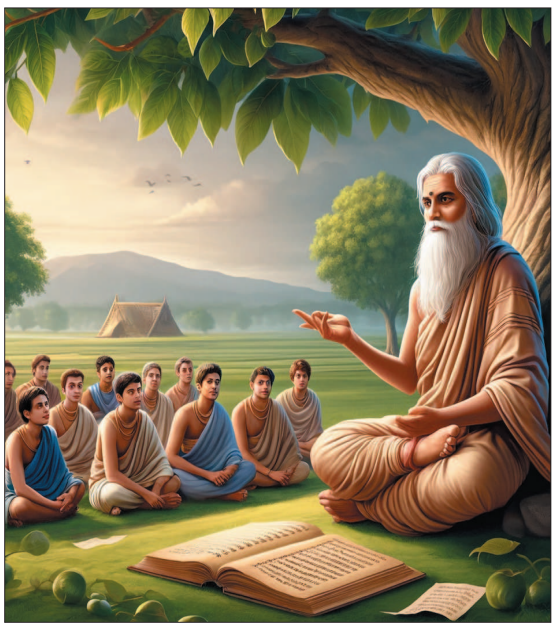

सदुपयोग, गुरु के प्रति सम्मान, समाज के प्रति उत्तरदायित्व और अपने कर्तव्य का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन है।

गुरुकुल जीवन का तीसरा महत्वपूर्ण संदेश है-अनुशासन और आत्मनिर्भरता।गुरुकुल में शिक्षा केवल पुस्तकीय अध्ययन तक सीमित नहीं थी। आश्रम का जीवन विद्यार्थियों को श्रम, संयम, सेवा और सामूहिक जीवन का अभ्यास कराता था। अपने दैनिक कार्य स्वयं करना, आश्रम की आवश्यकताओं में सहयोग देना और सीमित संसाधनों में जीवन जीना व्यक्ति में आत्मनिर्भरता तथा दायित्व-बोध विकसित करता था।इससे यह धारणा पुष्ट होती है कि शिक्षा केवल मस्तिष्क को प्रशिक्षित करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व को गढ़ने का माध्यम है।

आज जब बच्चों और युवाओं के जीवन में सुविधाएँ बढ़ी हैं, वहीं अनेक मामलों में श्रम से दूरी और तत्काल उपलब्धि की प्रवृत्ति भी बढ़ी है। ऐसे समय में शिक्षा को यह सिखाने की आवश्यकता है कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता, श्रम सम्मानजनक है और आत्मनिर्भरता व्यक्तित्व की शक्ति है। अंक और प्रमाणपत्र महत्वपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन वे चरित्र, धैर्य, अनुशासन और जिम्मेदारी का विकल्प नहीं हो सकते।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता गुरुकुल जीवन के एक अन्य अत्यंत सुंदर पक्ष को सामने लाती है। दोनों की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियाँ भिन्न थीं, लेकिन गुरुकुल में उनका संबंध समानता, स्नेह और आत्मीयता पर आधारित था। यह प्रसंग बताता है कि सच्ची मित्रता धन, पद और प्रतिष्ठा की सीमाओं से परे होती है। शिक्षा यदि मनुष्य को दूसरे मनुष्य की गरिमा का सम्मान करना नहीं सिखाती, तो उसका उद्देश्य अधूरा रह जाता है।

श्रीकृष्ण की शिक्षा को व्यापक अर्थ में देखें तो उसमें एकांगी विशेषज्ञता के बजाय बहुआयामी व्यक्तित्व-निर्माण की भावना दिखाई देती है। परंपरागत आख्यानों में उनके द्वारा अनेक विद्याओं और कलाओं में प्रवीणता प्राप्त करने का उल्लेख मिलता है। इन विवरणों का मूल संदेश यह है कि शिक्षा केवल किसी एक विषय में दक्षता प्राप्त करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। ज्ञान के साथ व्यवहार-कौशल, शारीरिक दक्षता, कला, संवेदना, नैतिकता, सामाजिक चेतना और परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने की क्षमता का विकास भी आवश्यक है।

यहीं से शिक्षा का चौथा और सबसे महत्वपूर्ण आयाम सामने आता है-विवेक। ज्ञान हमें तथ्यों से परिचित कराता है, लेकिन विवेक हमें यह निर्धारित करने की क्षमता देता है कि उन तथ्यों का उपयोग कब, कहाँ, कैसे और किस उद्देश्य से किया जाए। आज विज्ञान और तकनीक ने मनुष्य को अभूतपूर्व शक्ति प्रदान की है। किंतु शक्ति के साथ विवेक न हो तो वही ज्ञान विनाश का कारण भी बन सकता है। इसलिए शिक्षा का लक्ष्य केवल अधिक से अधिक जानना नहीं, बल्कि सही समय पर सही निर्णय लेना और अपने ज्ञान का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करना होना चाहिए।

श्रीकृष्ण के जीवन का उत्तरवर्ती चरण इसी शिक्षा की परिणति को दर्शाता है। उन्होंने अपने ज्ञान, कौशल और सामर्थ्य को केवल व्यक्तिगत सुख-सुविधा तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने अन्याय और अधर्म का प्रतिरोध किया तथा समाज में धर्म और न्याय की स्थापना के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। महाभारत के युद्धक्षेत्र में अर्जुन को दिया गया उनका उपदेश शिक्षा के सर्वोच्च उद्देश्य को रेखांकित करता है-अर्थात ज्ञान व्यक्ति को अपने कर्तव्य का बोध कराए और कठिन परिस्थितियों में भी विवेकपूर्ण निर्णय लेने की शक्ति दे।

भगवद्गीता का कमयोग इसी व्यापक शिक्षा-दृष्टि का प्रतिनिधित्व करता है। व्यक्ति को अपने कर्तव्य से विमुख होने के बजाय उसे निष्काम भाव से पूरा करने की प्रेरणा दी जाती है। इस दृष्टि से शिक्षा का अंतिम लक्ष्य केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि कर्तव्यनिष्ठ और उत्तरदायी नागरिक का निर्माण है। जो व्यक्ति अपनी योग्यता का उपयोग केवल अपने लाभ के लिए करता है, वह सफल तो हो सकता है, लेकिन उसकी सफलता समाज के लिए कितनी उपयोगी है, यह एक अलग प्रश्न है।

आज की शिक्षा-व्यवस्था के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है। विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी बनाने के साथ-साथ संवेदनशील भी बनाना होगा; उन्हें सफल बनाने के साथ-साथ जिम्मेदार भी बनाना होगा। ज्ञान के साथ विनय, अधिकार के साथ कर्तव्य, स्वतंत्रता के साथ अनुशासन, आधुनिकता के साथ सांस्कृतिक आत्मबोध और व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलन ही शिक्षा को सार्थक बना सकता है। श्रीकृष्ण की गुरुकुल यात्रा इसलिए अतीत की केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए शिक्षा का एक जीवंत दर्शन है। यह हमें बताती है कि विद्या मनुष्य को सक्षम बनाए, विनय उसे अहंकार से बचाए और विवेक उसकी क्षमता को सही दिशा दे। शिक्षा बुद्धि को प्रखर करने के साथ हृदय को संवेदनशील, चरित्र को दृढ़ और व्यवहार को जिम्मेदार बनाए।

अंततः श्रीकृष्ण का शिक्षा-संदेश तीन शब्दों में समाहित किया जा सकता है-विद्या, विनय और विवेक। विद्या से ज्ञान प्राप्त हो, विनय से व्यक्तित्व में गरिमा आए और विवेक से ज्ञान का सदुपयोग हो। जब शिक्षा इन तीनों का समन्वय कर सकेगी, तभी वह केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन न रहकर श्रेष्ठ मनुष्य, उत्तरदायी नागरिक और सशक्त समाज के निर्माण का माध्यम बनेगी। यही श्रीकृष्ण के गुरुकुल जीवन की कालजयी तथा आज के शिक्षार्थियों के लिए सर्वाधिक प्रासंगिक सीख है।

कृष्ण जन्माष्टमी : अंधकार में आशा और जीवन में धर्म का उजास

विशेष

भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी की अर्धरात्रि भारतीय संस्कृति में केवल एक तिथि नहीं, बल्कि उस दिव्य क्षण की स्मृति है, जब अत्याचार और निराशा के बीच भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण हुआ। मथुरा की कारागार में जन्मे कृष्ण ने आगे चलकर गोकुल की गलियों में बाल सुलभ उल्लास बिखेरा, वृंदावन में प्रेम की परिभाषा रची और कुरुक्षेत्र में मानव जीवन के लिए कर्म, ज्ञान और धर्म का अमर संदेश दिया।

पौराणिक आख्यानों के अनुसार अत्याचारी कंस के आतंक से मथुरा त्रस्त थी। अपनी बहन देवकी की आठवीं संतान से मृत्यु की भविष्यवाणी सुनकर कंस ने देवकी और वसुदेव को कारागार में डाल दिया। इसी कारागार में अधरात्रि के समय श्रीकृष्ण का जन्म हुआ।

वसुदेव नवजात कृष्ण को टोकरी में लेकर ~~यमुना पार गोकुल पहुंचे।~~ वर्षा, उफनती यमुना और अंधेरी रात के बीच हुई यह यात्रा भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में विश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गई। कृष्ण का गोकुल पहुंचना मानो यह संदेश था कि विपरीत परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, जीवन में आशा का मार्ग कभी बंद नहीं होता।

गोकुल पहुंचते ही कृष्ण का जीवन एक नए रंग में दिखाई देता है। यशोदा मैया के लाड़ले, नंद बाबा के दुलारे और ब्रज के नटखट कान्हा के रूप में उन्होंने बाल लीलाओं से सबका मन जीत लिया। माखन चोरी की शरारतें, ग्वाल-बालों के साथ खेलना और बांसुरी की मधुर तान-कृष्ण के बाल रूप ने भक्ति को सहज और आत्मीय बना दिया। वे किसी दूरस्थ देवता की तरह नहीं, बल्कि घर-आंगन के अपने बच्चे जैसे लगते हैं। यही कृष्ण की सबसे बड़ी विशेषता है। वे भक्त से दूरी नहीं बनाते, बल्कि उसके भाव के अनुरूप उसके निकट आते हैं।

वृंदावन कृष्ण की कथा का वह अध्याय है, जहां प्रेम अध्यात्म का रूप ले लेता है। राधा और कृष्ण का संबंध भारतीय चेतना में प्रेम, समर्पण और विरह की गहरी अनुभूति का प्रतीक माना गया है। यमुना का तट, कदंब की छांव और कान्हा की बांसुरी की कल्पना आज भी भक्ति साहित्य को भाव-विभोर करती है। राधा-कृष्ण का प्रेम यह संदेश देता है कि सच्चा प्रेम अधिकार नहीं मांगता, बल्कि समर्पण और आत्मिक जुड़ाव को महत्व देता है। गोवर्धन लीला कृष्ण के व्यक्तित्व के एक अन्य पक्ष को सामने लाती है। ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को धारण करने वाले कृष्ण सामूहिकता, साहस और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के प्रतीक भी हैं। आज पर्यावरण संकट पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती है। ऐसे समय में कृष्ण की गोवर्धन लीला हमें याद दिलाती है कि प्रकृति के प्रति सम्मान केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता है।

कंस वध : अन्याय के विरुद्ध संघर्ष

कृष्ण का जीवन प्रेम जितना सिखाता है, उतना ही अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी देता है। मथुरा पहुंचकर कंस का वध कर उन्होंने आतंक से पीड़ित जनता को मुक्ति दिलाई। कृष्ण का यह चरित्र बताता है कि करुणा का अर्थ कमजोरी नहीं है। जहां निर्दोषों पर अत्याचार हो, वहां धर्म की रक्षा के लिए दृढ़ निर्णय आवश्यक है। उनके व्यक्तित्व में प्रेम और पराक्रम, करुणा और नीति तथा सरलता और रणनीति का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

कुरुक्षेत्र का सारथी और गीता का ज्ञान

कृष्ण के जीवन का सबसे विराट अध्याय कुरुक्षेत्र में दिखाई देता है। युद्धभूमि में अपने परिजनों को सामने देखकर अर्जुन जब मोह और दुविधा से घिर गए, तब कृष्ण ने उन्हें जीवन का वह ज्ञान दिया, जिसे आज दुनिया भगवद्गीता के नाम से जानती है।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।

कृष्ण का यह संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। मनुष्य को अपने कर्तव्य पर अधिकार है, परिणाम पर नहीं। परिणाम की चिंता में कर्म से विमुख होने के बजाय पूरी निष्ठा से अपना दायित्व निभाना ही कमयोग है।

आज के तनावपूर्ण और प्रतिस्पर्धी जीवन में गीता का यह संदेश मनुष्य को संतुलन, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा की राह दिखाता है।

कृष्ण : हर भूमिका में एक सीख

कृष्ण को केवल एक रूप में देखना उनके विराट व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। वे यशोदा के कान्हा हैं, तो अर्जुन के सारथी भी। वे राधा के श्याम हैं, तो धर्म की रक्षा के लिए कंस के संहारक भी। वे प्रेम सिखाते हैं, लेकिन मोह से ऊपर उठना भी। वे कर्म का संदेश देते हैं, लेकिन अहंकार से बचने की शिक्षा भी। वे मित्रता निभाते हैं, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर कठोर निर्णय लेने से पीछे नहीं हटते यही कारण है कि कृष्ण भारतीय मानस में देवता से आगे बढ़कर जीवन-दर्शन बन गए हैं।

जन्माष्टमी : उत्सव के साथ आत्ममंथन

जन्माष्टमी पर मंदिरों में सजावट, झांकियां, भजन-कीर्तन, उपवास और मध्यरात्रि में बाल गोपाल का जन्मोत्सव मनाने की परंपरा है। शंख और घंटियों की ध्वनि के बीच जब बातावरण ह्लनंद के घर आनंद भयोह्व से गूंजता है, तो पूरा परिवेश भक्तिमय हो उठता है। लेकिन इस पर्व का अर्थ केवल बाहरी उत्सव तक सीमित नहीं होना चाहिए।

कृष्ण की पूजा तभी सार्थक है, जब उनके संदेश का कुछ अंश हमारे आचरण में भी दिखाई दे। यदि मन में द्वेष है तो प्रेम की आराधना अधूरी है। यदि कर्म में ईमानदारी नहीं है तो कमयोग का स्मरण अधूरा है। यदि अन्याय देखकर हम मौन हैं तो धर्म की बात अधूरी है।

हमारे भीतर कब जन्मेंगे कृष्ण ?

कृष्ण जन्माष्टमी का सबसे गहरा संदेश यही है कि कृष्ण का जन्म केवल मथुरा में नहीं, हमारे भीतर भी हो सकता है।

जब अहंकार कम होगा, कृष्ण जन्मेंगे।
जब द्वेष की जगह प्रेम आएगा, कृष्ण जन्मेंगे।
जब स्वार्थ की जगह सेवा का भाव जागेगा, कृष्ण जन्मेंगे।
जब कठिन समय में भी हम सत्य का साथ देंगे, कृष्ण जन्मेंगे।

और जब हम फल की चिंता से ऊपर उठकर अपने कर्तव्य को ईमानदारी से निभाएंगे, तब हमारे भीतर गीता का कृष्ण जागेगा। इस दृष्टि से जन्माष्टमी आत्मशुद्धि और आत्ममंथन का भी पर्व है।

कान्हा से बस एक झलक की आस

कृष्ण भक्ति का संसार जितना विराट है, उतना ही आत्मीय भी। भक्त की प्रार्थनाएं में बड़े-बड़े वरदानों की अपेक्षा नहीं होती। कभी-कभी वह केवल एक झलक मांगता है-

मेरे प्यारे कान्हा,
इस बार एक झलक दिखा दो,
कब से तुमको देखने की आस है,
मुरली वाले, आकर मन की प्यास बुझा दो।

भक्त जानता है कि वह भगवान को भक्ति के योग्य भी कितना है, फिर भी नाम लेना नहीं छोड़ता। यही आस्था का सौंदर्य है-विश्वास पूर्ण होने से पहले भी विश्वास बना रहता है। शायद कृष्ण भक्ति का सार इसी भाव में छिपा है। ईश्वर को पाने से पहले उसे महसूस करना और दर्शन से पहले उसकी उपस्थिति पर विश्वास करना।

आज के समय में कृष्ण की प्रासंगिकता

आज समाज अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है। व्यक्तिगत जीवन में तनाव है, सामाजिक जीवन में असहमति है और सार्वजनिक जीवन में नैतिकता को लेकर प्रश्न खड़े होते रहते हैं। ऐसे समय में कृष्ण का दर्शन हमें संतुलन का रास्ता दिखाता है।

वे कहते हैं-कर्तव्य से मत भागो।
वे सिखाते हैं-अहंकार को अपने ऊपर हावी मत होने दो।
वे बताते हैं-अन्याय के सामने खड़े होना धर्म है।
वे समझाते हैं-प्रेम जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है।
और गीता के माध्यम से वे बताते हैं-परिस्थितियां हमारे नियंत्रण में नहीं, लेकिन हमारा कर्म हमारे हाथ में है। यही कारण है कि हजारों वर्ष बाद भी कृष्ण उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने समय में थे।

पर्व तभी सार्थक, जब जीवन में उतरे कृष्ण

जन्माष्टमी के दीपक घरों और मंदिरों को रोशन करते हैं, लेकिन इस पर्व की वास्तविक रोशनी तब होगी, जब हमारे भीतर का अंधकार भी दूर हो।

हम अपने भीतर के अहंकार को त्यागें, मन में करुणा जगाएं, दूसरों के दुख को समझें, प्रकृति का सम्मान करें और अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार रहें-तो यही कृष्ण की सच्ची आराधना होगी।

कृष्ण किसी एक मंदिर, एक कथा या एक युग तक सीमित नहीं हैं। वे भारतीय चेतना की उस सतत धारा का नाम हैं, जो प्रेम से शुरू होकर कर्म और धर्म तक पहुंचती है।

इस जन्माष्टमी पर आइए, कान्हा से धन-संपत्ति नहीं, बल्कि निर्मल मन, सही कर्म, विवेकपूर्ण बुद्धि और प्रेम से भरा हृदय मांगें। क्योंकि जिस दिन हमारे भीतर से द्वेष मिटेगा, कर्म में सत्य आएगा और हृदय में प्रेम जागेगा-उसी दिन समझिए, हमारे भीतर भी कृष्ण का जन्म हो गया।

ऑनलाइन अटेंडेंस पर भड़कीं टीचर हुई निलंबित

नवागढ़ विकासखंड के हाई स्कूल में पदस्थ निर्मला कोमल ने 29 अगस्त को सुबह 11 बजे स्कूल में ड्यूटी के दौरान वीडियो बनाया

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर-चांपा

ऑनलाइन अटेंडेंस का विरोध करते हुए वीडियो बनाने वाली टीचर निर्मला कोमल को शिक्षा विभाग ने कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था विभाग ने शिक्षिका को निलंबित कर दिया है। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

नवागढ़ विकासखंड के हाई स्कूल में पदस्थ निर्मला कोमल ने 29 अगस्त को सुबह 11 बजे स्कूल में ड्यूटी के दौरान वीडियो बनाया। वीडियो में उन्होंने कहा कि जब शिक्षकों की उपस्थिति ऐप से ली जा रही है तो कलेक्टर से लेकर सभी अधिकारियों के काम का हिसाब भी ऑनलाइन होना चाहिए। उन्होंने सड़कों पर घूमने वाले मवेशियों और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। कहा कि समय पर अटेंडेंस लगाने के चक्कर में शिक्षकों को परेशानी होती है, कई बार हादसे भी होते हैं। सरकार को शिक्षकों की निगरानी बंद कर दूसरे विभागों की व्यवस्था सुधारनी चाहिए।

वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने कहा कि स्कूल समय में पढ़ाने के बजाय शिक्षक रील बना रही हैं। डीईओ अशोक सिन्हा ने मामले में जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है।

खास खबर

अटेंडेंस ऐप पर भड़कीं टीचर, बोलीं नेताओं-अफसरों पर भी लागू हो नियम

नई दृष्टिबिंदु / रजांजगीर-चांपा

नवागढ़ ब्लॉक से एक शिक्षिका का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे नए ऑनलाइन अटेंडेंस ऐप का विरोध करती दिख रही हैं।

छत्तीसगढ़ी में बनाए वीडियो में शिक्षिका ने कहा कि ऐप से शिक्षकों को परेशान किया जा रहा है। अगर शिक्षकों के लिए समय पर उपस्थिति जरूरी है तो यही नियम सभी विभागों, नेताओं और अफसरों पर भी लागू होना चाहिए। उन्होंने सड़कों पर घूम रहे मवेशियों की समस्या का भी जिक्र किया। वीडियो वायरल होने के बाद बहस छिड़ गई है। कुछ इसे बेबाकी बता रहे हैं तो कुछ अनुशासनहीनता। डीईओ अशोक सिन्हा ने बताया कि तुलसी हाईस्कूल नवागढ़ में पदस्थ व्याख्याता का वीडियो सामने आया है, जिसमें अनुशासनहीनता दिख रही है। नोटिस जारी कर कार्रवाई की जा रही है।

लोक शिक्षण संचालनालय
छत्तीसगढ़
इन्द्रावती भवन, खण्ड-3, प्रथम तल, अटल नगर, रायपुर
फोन नम्बर-0771.2331385,Email Id - cg.dpi.dir@gmail.com

क्रमांक/सत./आर/जांजगीर-चांपा/137/2026/ 1040 नवा रायपुर, दिनांक 03-09-2026

//आदेश//

जिला शिक्षा अधिकारी जिला जांजगीर-चांपा का पत्र क्र./5542/गोप. शिका./2026 दिनांक 02.09.2026 के अनुसार, व्ही.एस.के. एप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति लागू होने के उपरांत, सोशल मीडिया में वायरल वीडियो दिनांक 31.08.2026 में श्रीमती निर्मला कोमल लहरे, व्याख्याता(एल.बी.) शासकीय हाईस्कूल तुलसी विकासखंड नवागढ जिला जांजगीर-चांपा द्वारा माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ शासन एवं कलेक्टर, के संबंध में अशोभनीय टिप्पणियां कर आलोचना करते हुए मीडिया में वीडियो प्रसारित किया गया है।

2/ श्रीमती लहरे का उक्त कृत्य पदीय दायित्वों के विरुद्ध जाकर शासन एवं विभाग की छवि धूमिल करने वाला है, जो कि छत्तीसगढ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 03 एवं नियम 10 का कदाचार है। जिला शिक्षा अधिकारी, जांजगीर-चांपा द्वारा जारी कारण बताओ सूचना पत्र के उत्तर में प्रस्तुत उनका स्पष्टीकरण (प्रतिवाद) संतोषजनक एवं समाधानकारक नहीं पाया गया है।

3/ अतः छत्तीसगढ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के उपनियम (1) (क) के अन्तर्गत श्रीमती निर्मला कोमल लहरे, व्याख्याता (एल.बी.)शासकीय हाईस्कूल तुलसी विकासखंड नवागढ जिला जांजगीर-चांपा को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया जाता है।

4/ निलंबन अवधि में सम्बंधित को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी तथा निलम्बन काल में श्रीमती लहरे का मुख्यालय, कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जिला जांजगीर-चांपा नियत किया जाता है।

Digitally signed by RITURAJ RAGHUVANSHI
संचालक
लोक शिक्षण छत्तीसगढ़

तुमड़ीबोड़ पुलिस ने चाकू दिखाकर डराने वाले दो आरोपी किए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

तुमड़ीबोड़ पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर चाकू दिखाकर दहशत फैलाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार 2 सितंबर को ग्राम खम्हेरा में दो व्यक्ति पुरानी रंजिश को लेकर चाकू दिखाकर लोगों को डरा-धमका रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा। आरोपी कामेश्वर साहू (38) के पास से लोहे के पट्टे से बना धारदार चाकू और देवेन्द्र साहू (27) के पास से घटना में प्रयुक्त बजाज डिस्कवर मोटरसाइकिल CG 07 LD 7061 जब्त की गई। दोनों ग्राम कोहिलापुरी, चौकी चिचोला के रहने वाले हैं। आरोपियों के खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई एसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में चौकी प्रभारी धनीराम नारंगे और टीम ने की।

खास खबर

कलेक्टर ने सिंघोला-भोथीपार सड़क का किया निरीक्षण, दो दिन में मरम्मत के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने ग्राम सिंघोला में सिंघोला से भोथीपार खुर्द तक 2 किलोमीटर लंबी सड़क का निरीक्षण किया। सड़क की खराब स्थिति पर ग्रामीणों ने परेशानी बताई। इस पर कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग को दो दिन के भीतर मरम्मत कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क के स्थायी पुनर्निर्माण को आगामी बजट में शामिल करने की कार्रवाई करने को कहा।

टोलागांव में कांग्रेस की मंडल स्तरीय बैठक विधायक हर्षिता बघेल हुई शामिल

बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और आगामी गतिविधियों पर चर्चा की गई

नई दृष्टिबिंदु /डोंगरगढ़

ग्राम टोलागांव स्थित सामुदायिक भवन में आज कांग्रेस कमेटी की मंडल स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता स्वामी बघेल शामिल हुईं। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और आगामी गतिविधियों पर चर्चा की गई। इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली कटौती, खाद की कमी, गैस सिलेंडर और शक्कर के बढ़े दामों सहित कई समस्याएं विधायक के सामने रखीं। विधायक ने समस्याओं के निराकरण का आश्वासन देते हुए कार्यकर्ताओं से जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया। बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष कोमल साहू, ब्लॉक अध्यक्ष तेजराम वर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्विफ्ट कार में अवैध शराब परिवहन, एक गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सायबर टीम और चिचोला पुलिस ने अवैध शराब परिवहन पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 99 बल्क लीटर शराब और स्विफ्ट कार जब्त की गई।

एसपी अंकिता शर्मा के नशा उन्मूलन अभियान के तहत 2 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि सफेद स्विफ्ट कार में बागनदी से चिचोला की ओर शराब लाई जा रही है। टीम ने औराटोला के पास महारू नेताम ढाबा के सामने नाकाबंदी कर कार CG 08 R 0888 को रोका। तलाशी में डिग्गी में 5 थैलों में देशी शोले शराब के 400 पाव और सीजी अंग्रेजी शराब के 150 पाव मिले। कुल 99 लीटर शराब की कीमत 50 हजार रुपए है। कार की कीमत करीब 2.5 लाख रुपए आंकी गई। आरोपी रूपेश्वर साहू (39) निवासी रामपुर खातूटोला के पास कोई वैध कागजात नहीं मिला। आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया।

> आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया

बसंतपुर पुलिस ने 3 घंटे में किया चोरी का खुलासा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना बसंतपुर पुलिस ने नवनिर्माणाधीन मकान में चोरी का 3 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रार्थी दुर्गा प्रसाद देवांगन निवासी दीवानपारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 28 अगस्त से 1 सितंबर के बीच सत्यम विहार कॉलोनी स्थित निर्माणाधीन मकान का ताला तोड़कर 4 बंडल केबल वायर और ग्राइंडर कटर मशीन कीमत 40 हजार रुपए चोरी हो गई। एसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में थाना प्रभारी कौशलेश देवांगन की टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर लोजस उर्फ लक्की देवांगन (20) और हरिनारायण यादव (20) निवासी कोठारपारा, नंदई को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने चोरी स्वीकार की। पुलिस ने चोरी गया सामान जब्त कर दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

16 किलो गांजा के साथ दो अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु /रायपुर

न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस ने गांजा तस्करी करते दो अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 16 किलो गांजा और 2 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं, जिसकी कीमत करीब 8.29 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि लालपुर ओवरब्रिज के पास दो व्यक्ति ट्रैवल बैग में गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। टीम ने घेराबंदी कर अरबाज खान (23) निवासी अमरोहा, उत्तर प्रदेश और मोहम्मद कैफ (20) निवासी जयपुर, राजस्थान को पकड़ा। दोनों के पास से 8-8 किलो गांजा मिला। आरोपियों के खिलाफ थाना न्यू राजेन्द्र नगर में ठउ्रद्धर एक्ट की धारा 20(बी) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

पलौद में अवैध शराब बेचते युवक गिरफ्तार, 34 पौवा जब्त

रायपुर। मंदिर हसौद पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम पलौद रोड किनारे एक व्यक्ति प्लास्टिक थैले में शराब रखकर ग्राहक तलाश रहा है। घेराबंदी कर पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम ईश्वर जांगड़े (32) निवासी पलौद बताया।

मत्स्य योजनाओं का लाभ लेने NFDP पर पंजीयन जरूरी

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री मत्स्य कृषक समृद्धि योजना सहित केंद्र और राज्य सरकार की मत्स्य पालन योजनाओं का लाभ लेने के लिए ठऋछ पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य कर दिया गया है।

सहायक संचालक मछलीपालन ने बताया कि मछली पालन, मत्स्याखेट और विक्रय से जुड़े सभी व्यक्ति च्वॉइस सेंटर के माध्यम से पंजीयन करा सकते हैं। परिवार के हर सदस्य का अलग पंजीयन होगा। पंजीयन के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक और आधार से लिंक मोबाइल नंबर जरूरी है। सत्यापन के बाद हितग्राही के खाते में 80 रुपए आएंगे और सेंटर को 18 रुपए कमीशन मिलेगा। पंजीयन के बाद पहले अस्थायी और सत्यापन के बाद स्थायी प्रमाण पत्र जारी होगा।

राजनांदगांव पुलिस ने डीजे संचालकों को दिए सख्त निर्देश

> पुलिस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और ध्वनि प्रदूषण नियमों का पालन अनिवार्य है

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए राजनांदगांव पुलिस ने डीजे संचालकों की बैठक लेकर सख्त निर्देश दिए। आईजी अजय यादव और एसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में एएसपी कीर्तन राठौर और सीएसपी वैशाली जैन ने जन संवाद कक्ष में 50 से अधिक डीजे संचालकों के साथ बैठक की।

पुलिस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और ध्वनि प्रदूषण नियमों का पालन अनिवार्य है। स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और शांत क्षेत्रों के पास तेज आवाज में डीजे न बजाएं। ध्वनि डेसीबल सीमा में रखें और अधिक स्पीकर लगाकर शोर न फैलाएं। रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध का पालन करें। पुलिस ने अपील की कि त्योहार आस्था और भाईचारे के प्रतीक हैं, उत्सव में दूसरों की शांति का भी ध्यान रखें। नियम तोड़ने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

श्रमिकों के लिए मोबाइल कैंप का आयोजन

राजनांदगांव। श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए जिले की ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों में श्रम विभाग द्वारा मोबाइल कैंप लगाए जा रहे हैं। कैंप में श्रमिक पंजीयन, नवीनीकरण, संशोधन और योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। निर्माण और असंगठित श्रमिकों का ऑनलाइन आवेदन भी किया जा रहा है। सितंबर माह में राजनांदगांव विकासखंड के कन्हारपुरी वार्ड, जराही, मुड़पार, बागतराई सहित कई गांवों में, डोंगरगांव के सुखरी, किरगी, रूदगांव, डोंगरगढ़ के छपारा, बिजनापुर, सेम्हरा और छुरिया के झाड़ीखैरी, बेंदाड़ी सहित 40 से अधिक स्थानों पर कैंप लगेंगे। श्रमिक श्रम कल्याण केंद्र, श्रमेव जयते ऐप और हेल्पलाइन नंबर 0771-3505050 पर भी जानकारी ले सकते हैं।

कार्रवाई की मांग | खुटेरी में 450 पौधों को किया नष्ट

ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

नई दृष्टिबिंदु / सोमनी

ग्राम खुटेरी में शासकीय भूमि पर लगाए गए 450 पौधों को नष्ट करने का मामला सामने आया है। ग्राम विकास समिति और ग्रामीणों ने कलेक्टर को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार 22 जुलाई को राजस्व विभाग और थाना सोमनी की मौजूदगी में उक्त शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया था। इसके बाद 26 जुलाई को ग्राम विकास समिति ने वहां 450 पौधों का वृक्षारोपण कर सुरक्षा के लिए पाइप से घेराव भी कराया था।

आरोप है कि गांव के ही फागुवा राम कुर्रे ने 31 जुलाई को साथियों के साथ मिलकर पौधों को क्षतिग्रस्त किया। इसकी शिकायत तहसीलदार, एसपी और थाना सोमनी को दी गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। फिर 25 अगस्त को दोबारा तोड़फोड़ कर पूरे पौधों को नष्ट कर दिया गया।

ग्रामीणों में आक्रोश

शिकायत पत्र में ग्रामीणों ने कहा है कि लगातार पौधों को नष्ट करने से गांव में आक्रोश है। अगर 3 दिन के भीतर कार्रवाई कर क्षतिपूर्ति नहीं दिलाई गई तो ग्रामीण नेशनल हाईवे पर चक्काजाम करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

अवैध डीजल भंडारण पर कार्रवाई 4000 लीटर डीजल जब्त

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव

चिचोला पुलिस और स्पेशल टीम डोंगरगढ़ ने अवैध रूप से डीजल भंडारण और बिक्री करने वाले ढाबा संचालक के खिलाफ कार्रवाई की है। आरोपी के किराए के मकान से 4000 लीटर डीजल कीमत 4 लाख 12 हजार रुपए जब्त किया गया। मुखबिर से सूचना मिली थी कि रामपुर (खाटूटोला) पाटेकोहरा बैरियर के पास यूपी प्रतापगढ़ ढाबा (जुम्मन ढाबा) संचालक अतीक खान उर्फ जुम्मन खान ग्राम नारायणगढ़ में देवनारायण साहू के किराए के मकान में अवैध रूप से डीजल जमा कर ट्रक ड्राइवरों को बेच रहा है। एसपी अंकिता शर्मा के निर्देशन में टीम ने मकान पर रेड की। ताला बंद होने पर पंचनामा कर ताला तोड़ा गया, अंदर प्लास्टिक की सिंटेक्स और टैंकों में डीजल भरा मिला। आरोपी घटना के बाद से फरार है।

पुलिस ने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3,7 और बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम घोषित

हैंड्सकॉम्ब, सैम कोंस्टास को मौका

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत ए टीम के खिलाफ होने वाली दो चार दिवसीय, और तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम की घोषणा कर दी गई है। पीटर हैंड्सकॉम्ब को ऑस्ट्रेलिया ए टीम में जगह मिली है। इससे उनके टेस्ट करियर को एक और मौका मिल सकता है। टीम में ब्रेंडन डॉगेट और झाई रिचर्डसन भी हैं। ऑस्ट्रेलिया ए इस महीने के आखिर में दौरे के चार दिवसीय मैचों के लिए पुडुचेरी जाएगी, जिसके बाद तीन 50-ओवर के मैच होंगे। भारत ए के खिलाफ सीरीज बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले दौरे पर आ रहे कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पास सीनियर टीम में जगह बनाने का यह मौका है। 35 साल के हैंड्सकॉम्ब चार दिन की टीम में सबसे उम्रदराज और सबसे अनुभवी खिलाड़ी

हैं। दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के पिछले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टूर के सभी चार टेस्ट में खेलने के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है और न ही ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेला है। आने वाले महीनों में ऑस्ट्रेलिया के भारत लौटने के साथ, यह टूर उन्हें सीनियर टीम में वापसी की दावेदारी का मजबूत मौका देता है। ऑस्ट्रेलिया सबकॉन्टिनेंटल कंडीशन के लिए अपने तेज गेंदबाजी विकल्प को देख रहा है, इसलिए डॉगेट और रिचर्डसन पर भी ध्यान देने की संभावना है। रिचर्डसन कंधे की कई बड़ी सर्जरी के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लौटे हैं, जबकि टॉड मर्फी, सैम कॉन्स्टास और नाथन मैकस्वीनी उन नौ खिलाड़ियों में शामिल हैं जो पिछले साल लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के चार-दिवसीय मैचों से लौटे हैं। युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन स्पेंसर जॉनसन के साथ वन-डे टीम में हैं।'

आईसीसी रैंकिंग

विमेंस एशिया कप में ऑलराउंडर प्रदर्शन, टी20 करियर की बेस्ट रैंकिंग पर पहुंचीं अट्टापट्टू

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के साथ श्रीलंकाई कप्तान चामरी अट्टापट्टू आईसीसी विमेंस टी20 प्लेयर रैंकिंग में तीनों कैटेगरी में अपने करियर की बेस्ट रेटिंग प्वाइंट्स तक पहुंच गई हैं। अट्टापट्टू ने 29 अगस्त को यूएई के खिलाफ ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने 25 गेंदों में नाबाद 48 रन बनाए। बतौर गेंदबाज 3 ओवरों में 10 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। कप्तान के इस प्रदर्शन की बदौलत टीम ने 9 विकेट से शानदार जीत हासिल की। इस नतीजे से अट्टापट्टू बल्लेबाजों की रैंकिंग में 734 रेटिंग प्वाइंट्स, गेंदबाजों में 552 और ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में 405 प्वाइंट्स के साथ अपने करियर की सबसे बेहतरीन स्थिति में

पहुंच गई। वह टी20 बल्लेबाजों में छठे स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि गेंदबाजी सूची में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 33वें स्थान पर पहुंच गई हैं और ऑल-राउंडर्स में तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। अट्टापट्टू का यह प्रदर्शन इस साल की शुरुआत में आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में उनके अच्छे प्रदर्शन के बाद आया है, जहां उन्होंने श्रीलंका के लिए 172 रन बनाए थे और तीन विकेट लिए थे। उनकी ओपनिंग पार्टनर इमेशा दुलानी ने भी लेटेस्ट अपडेट में काफी सुधार किया है। यूएई के खिलाफ 18 गेंदों पर 25 रन की पारी खेलने वाली दुलानी चार स्थान ऊपर चढ़कर 625 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ 18वीं रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। वहीं, हर्षिता समरविक्रमा बल्लेबाजों में एक स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर आ गई हैं। श्रीलंकाई गेंदबाजों को भी टूर्नामेंट के अपने शानदार ओपनिंग मैच का फायदा मिला है। मिताली अयोध्या ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे यूएई का स्कोर 79 रन तक सीमित रहा और वह 18 स्थान ऊपर चढ़कर 70वें स्थान पर पहुंच गईं; साथ ही उनके 444 प्वाइंट्स भी उनके करियर का बेस्ट स्कोर है।

सरे से जुड़े औकिब नबी

फ्रेंचाइजी के लिए खेलेंगे 3 मुकाबले

नई दिल्ली। हाल ही में भारतीय टीम में चुने गए तेज गेंदबाज औकिब नबी काउंटी चैंपियनशिप में इंग्लिश काउंटी टीम 'सरे' से जुड़ गए हैं, जिसके लिए 3 मैच खेलेंगे। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय घरेलू क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने टूर्नामेंट में 60 विकेट लिए और जम्मू-कश्मीर को उसका पहला खिताब जिताने में मदद की। नबी अब सरे के लिए यॉर्कशायर, ससेक्स और ग्लैमॉर्गन के खिलाफ होने वाले अगले तीन मुकाबलों में खेलेंगे। 'आईएएनएस' ने 28 अगस्त को खबर दी थी कि नबी के रविवार को सरे से जुड़ने और काउंटी चैंपियनशिप में खेलने की संभावना है। नबी सरे के लिए तीन मैच खेलेंगे, जिसकी शुरुआत 2 सितंबर को 'द ओवल' में यॉर्कशायर के खिलाफ मैच से होगी। इसके बाद क्रमशः 8 और 15 सितंबर को होव और 'द ओवल' में ससेक्स और ग्लैमॉर्गन के खिलाफ मैच होंगे।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने रविवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'हां, सभी कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद औकिब को इंग्लैंड जाने के लिए वीजा मिल गया है। माना जा रहा है कि वह आज नई दिल्ली से इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वह 2 सितंबर से शुरू होने वाले मैच के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। इस दौरे का मुख्य मकसद भारतीय टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं के लिए यह देखना भी है कि क्या नबी इंग्लैंड में गेंद को अच्छी तरह से स्विंग करा सकते हैं, क्योंकि न्यूजीलैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें रेड कूकाबुरा गेंद के साथ अनुकूल परिस्थितियों में ऐसा करने की जरूरत होगी।'

नबी को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चोटिल जसप्रीत बुमराह के स्थान पर चुना गया था, हालांकि उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिल सका, क्योंकि भारत दोनों मुकाबलों में दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरा था।

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को हराया

नई दिल्ली। विमेंस दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के खिलाफ 2 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। अब दोनों टीमें फाइनल मैच में बुधवार को फिर से आमने-सामने होंगी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए 5 विकेट खोकर 126 रन बनाए।

ओपनर नजमा 2 रन पर आउट हो गईं, जबकि शिवी शर्मा 3 रन पर आउट हुईं, जिससे टीम 12/2 के स्कोर पर दबाव में आ गई। इसके बाद कप्तान आयुषी सोनी ने 55 गेंदों पर नाबाद 62 रनों की अहम पारी खेली और सात चौकों की मदद से पारी को संभाला। अर्चना ने 14 गेंदों पर 21 रन बनाकर टीम को जरूरी गति दी, जबकि समायरा राघव ने 26 गेंदों पर 32 रनों का अहम योगदान दिया, जिसमें दो चौके और एक छक्का शामिल था।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए रूपाली विश्व मोहन ने 23 रन देकर 2 विकेट लिए। इनके अलावा, मयूरी सिंह, तनिषा सिंह और एकता भड़ाना ने 1-1 विकेट निकाला। 126/5 के मामूली स्कोर का बचाव करते हुए, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने अनुशासित गेंदबाजी की और तनावपूर्ण आखिरी ओवर में संयम बनाए रखते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को 124/7 के स्कोर पर रोक दिया। भले ही साउथ दिल्ली की शुरुआत ठीक रही, लेकिन टीम के लिए कोई निर्णायक साझेदारी नहीं हुई।

प्रिया पुनिया ने 30 गेंदों पर सर्वाधिक 31 रन बनाए, जबकि तनीषा सिंह ने 24 रन और कप्तान श्वेता सहरावत ने 12 गेंदों पर 20 रन की पारी खेली।

40 के मोनफिल्स ने मचाया धमाल

एंड्रीवा और ईला अगले दौर में

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में जारी यूएस ओपन 2026 का तीसरा दिन कई बड़े मुकाबलों और रोमांचक नतीजों के नाम रहा। महिला वर्ग में कोको गॉफ और पांचवीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने जीत के साथ दूसरे दौर में जगह बनाई। एलेक्जेंड्रा ईला ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले दौर का टिकट कटाया। पुरुष वर्ग में सबसे ज्यादा चर्चा 40 साल के गेल मोनफिल्स की रही, जिन्होंने अपने जन्मदिन पर जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया। वहीं, शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर ज्वेरेव को इटली के लोरेंजो सोनेगो ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन जर्मन खिलाड़ी पांच सेट के मैराथन मुकाबले में जीत हासिल करने में सफल रहे। फ्लावियो कोबोली ने भी दो सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की।

कोको गॉफ ने यूएस ओपन के अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। उन्होंने जेनेप सोनमेज को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। गॉफ ने पहले सेट की शुरुआत से ही अपनी सर्विस पर दबदबा बनाए रखा। शुरुआती सर्विस गेम में उन्होंने दो ऐस और एक सर्विस विनर लगाया। इसके बाद सोनमेज की सर्विस तोड़कर 4-2 की बढ़त हासिल की और 32 मिनट में पहला सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में सोनमेज ने वापसी की कोशिश की। उन्होंने नेट पर आक्रामक खेल दिखाया और गॉफ पर दबाव बनाया। दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी ने तीन ब्रेकप्वाइंट भी हासिल किए, लेकिन गॉफ ने तीनों बचा लिए। इसके बाद उन्होंने सोनमेज की सर्विस तोड़कर 4-3 की बढ़त बनाई और मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ गॉफ की टूर्नामेंट के अंत में दुनिया की नंबर-1 एकल खिलाड़ी बनने की उम्मीद भी कायम है। उनका अगला मुकाबला पाउला बडोसा या डारिया कसाटकिना से होगा।

एंड्रीवा लगातार चौथे साल दूसरे दौर में

पांचवीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने भी फ्लशिंग मीडोज में दमदार शुरुआत की। उन्होंने दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी जेनिस त्जेन को 6-2, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ एंड्रीवा लगातार चौथे साल यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंच गईं। अब उनके सामने दुनिया की 98वें नंबर की खिलाड़ी ईवा लिस की चुनौती होगी। डे-3 की सबसे खास कहानी गेल मोनफिल्स के नाम रही। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने अपने 40वें जन्मदिन पर लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में वैलेजो को 2-6, 6-1, 6-2, 6-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पहला सेट गंवाने के बाद मोनफिल्स ने जिस तरह मुकाबला पलटा, वह देखने लायक था। उन्होंने लगातार तीन सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। यूएस ओपन में यह उनकी कुल 34वीं जीत रही। इस जीत के साथ मोनफिल्स पिछले 50 वर्षों में यूएस ओपन में 40 या उससे ज्यादा उम्र में मैच जीतने वाले सिर्फ तीसरे खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 1977 में 42 साल के केन रोजवॉल और 1992 में 40 साल के जिमी कॉनर्स यह कारनामा कर चुके थे। मोनफिल्स ने जीत के बाद कहा कि 40 का आंकड़ा और अच्छा मैच खेलना उनके लिए बेहद खास था और यह उनके सबसे अच्छे जन्मदिनों में से एक रहा।

ईला ने स्टोयाना को एकतरफा अंदाज में हराया

महिला वर्ग में 17वीं वरीयता प्राप्त एलेक्जेंड्रा ईला ने भी दूसरे दौर में प्रवेश किया। फिलीपींस की खिलाड़ी ने अमेरिकी क्वालीफायर मैरी स्टोयाना को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी। पहले सेट में ईला ने 5-0 की बढ़त बनाकर मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया था। उन्होंने अपने 84 प्रतिशत फर्स्ट-सर्विस पॉइंट जीते। दूसरे सेट में भी स्टोयाना ने शुरुआती दौर में ब्रेक प्वाइंट के मौके बनाए, लेकिन ईला ने सभी मौकों को बचा लिया। उन्होंने मैच में मिले छहों ब्रेक प्वाइंट बचाए और स्टोयाना की सर्विस पर मिले आठ में से चार ब्रेक प्वाइंट को जीत में बदला। अब दूसरे दौर में ईला का सामना यूक्रेन की ओलेक्सांद्रा ओलिन्यकोवा से होगा। दोनों की पिछली भिड़ंत इस साल स्ट्रासबर्ग में हुई थी, जहां ओलिन्यकोवा ने तीन सेट में जीत हासिल की थी।

लक्ष्य सेन पहले दौर में ही बाहर, श्रीकांत दूसरे दौर में पहुंचे

गुआंगडोंग (एजेंसी)। चीन-भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का चाईना मास्टर्स 2026 में सफर पहले ही दौर में खत्म हो गया। बुधवार को कनाडा के विक्टर लाई ने उन्हें सीधे गेम में 21-14, 21-7 से हराया। लक्ष्य पूरे मुकाबले में अपनी लय हासिल नहीं कर सके और लगातार गलतियां करते रहे। वहीं, अनुभवी किदांबी श्रीकांत ने जीत के साथ दूसरे दौर में जगह बना ली। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को विक्टर लाई ने सिर्फ 38 मिनट में मात दी। इस हार के साथ कनाडाई खिलाड़ी के खिलाफ लक्ष्य का रिकॉर्ड 1-3 हो गया है। लक्ष्य ने लाई को इस साल मार्च में आल इंग्लैंड ओपन के सेमीफाइनल में हराया था, लेकिन इसके बाद उन्हें लगातार तीन मुकाबलों में हार मिली है। लक्ष्य ने मैच की शुरुआत अच्छी की और पहले गेम में 4-0 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, इसके बाद लाई ने लगातार दबाव बनाते हुए मैच पर नियंत्रण हासिल कर लिया। लक्ष्य अपनी लय बरकरार नहीं रख सके और गलतियों का सिलसिला जारी रहा, जिसका कनाडाई खिलाड़ी ने पूरा फायदा उठाया। दूसरे गेम में लक्ष्य की परेशानी और बढ़ गई। लाई ने उन्हें लगातार बैककोर्ट में धकेला और शटल पर नियंत्रण बनाए रखा। इंटरवल तक लक्ष्य 4-11 से पीछे थे और इसके बाद वह मुकाबले में वापसी नहीं कर सके। लाई ने दूसरा गेम 21-7 से जीतकर सिर्फ 38 मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। यह हार लक्ष्य के लिए लगातार मुश्किल दौर को दर्शाती है। हाल ही में दिल्ली में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी उनका सफर जल्दी खत्म हो गया था। दूसरी ओर, किदांबी श्रीकांत ने अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। उन्होंने चीनी ताइपे के ची यू जेन को सीधे गेम में 21-16, 21-15 से हराया।

अनाहत सिंह और रामित टंडन दूसरे दौर में पहुंचे, वीर चोटरानी को मिली हार

लंदन (एजेंसी)। मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने लंदन स्क्वाश क्लासिक में शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली है। 18 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने पहले दौर के मुकाबले में मिस्र की मरियम मेटवाली को सीधे गेम में शिकस्त दी। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज अनाहत ने पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता के अपने पहले मुकाबले में पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मरियम को 11-3, 11-2 से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। अनाहत सिंह के लिए यह साल बेहद खास रहा है। इसी साल जुलाई में उन्होंने विश्व जूनियर खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा था। 18 साल की अनाहत पिछले दो सत्र से लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने 2025 विश्व जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी अपने नाम किया था।

टीम इंडिया के प्रदर्शन पर BCCI की समीक्षा बैठक आज

नईदिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई ने समीक्षा बैठक बुलाई है। हेड कोच गौतम गंभीर, चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड वीवीएस लक्ष्मण गुरुवार बैठक में शामिल होंगे। यह मीटिंग मुंबई स्थित बोर्ड मुख्यालय में होगी। इसमें विदेशी दौरों पर टीम के प्रदर्शन की समीक्षा के साथ 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। खिलाड़ियों की इंजरी, आईपीएल के वर्कलोड और टीम मैनेजमेंट, सीओई और चयन

समिति के बीच कम्यूनिकेशन भी बैठक के अहम मुद्दे होंगे। भारत को जून में आयरलैंड के खिलाफ 2 मैचों की टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में 0-2 से हार मिली थी। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद यह भारत की करीब 3 साल में 16 सीरीज के बाद पहली टी-20 सीरीज हार थी। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टी-20 सीरीज में भारत 0-4 से हार गया। नॉटिंघम में टीम को 125 रन से हार मिली थी। वनडे सीरीज में भारत ने पहला मैच जीता, लेकिन सीरीज 1-2 से गंवा दी। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने इन नतीजों के बाद टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की बात कही थी। अब यह बैठक बुलाई गई है। बैठक में खिलाड़ियों की इंजरी और राष्ट्रभक्ष की भूमिका पर भी चर्चा होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों, सीओई और सिलेक्शन कमेटी के बीच कम्यूनिकेशन को लेकर सवाल उठे हैं। एक मामले में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के फिट नहीं होने की जानकारी चयन समिति को समय पर नहीं मिली थी। वॉशिंगटन सुंदर के चोटिल होने और साई सुदर्शन की रिकवरी में उम्मीद से ज्यादा समय लगने पर भी चर्चा होगी। मराह श्रीलंका दौरे की टीम में शामिल थे, लेकिन फिटनेस क्लीयरेंस नहीं मिलने के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। आईपीएल के वर्कलोड का खिलाड़ियों की फिटनेस पर असर भी बैठक का अहम मुद्दा होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए चुने गए जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर, नीतिश रेड्डी और हर्षित राणा की उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर है। चारों खिलाड़ियों का 9 सितंबर को फिटनेस टेस्ट होगा।

ईशांत शर्मा: कपिल देव के बाद टेस्ट में भारत के दूसरे सफलतम तेज गेंदबाज

पांच साल से पहले खेला आखिरी मैच

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को उनकी लंबाई और निरंतरता के साथ 150 के आस-पास की गति के साथ गेंदबाजी के लिए जाना जाता है। ईशांत टेस्ट क्रिकेट में भारत के छठे सबसे सफल गेंदबाज हैं। वहीं कपिल देव के बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत के दूसरे सबसे सफल तेज गेंदबाज हैं। ईशांत शर्मा का जन्म 2 सितंबर 1988 को दिल्ली में हुआ था। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 2006 में दिल्ली के लिए डेब्यू किया। छह फीट चार इंच लंबे ईशांत शर्मा के पास वह सारी क्षमताएं थी, जो एक तेज गेंदबाज में होनी चाहिए। उनके पास गति के अलावा, स्विंग, और बाउंस था, जो विपक्षी बल्लेबाजों के लिए हमेशा मुश्किल खड़ी करता था। विराट कोहली, शिखर धवन, गौतम गंभीर जैसे दिग्गज क्रिकेटरों के साथ घरेलू क्रिकेट खेलने वाले ईशांत को मई 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। घरेलू क्रिकेट में पदार्पण के ठीक एक साल बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले ईशांत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया और जल्द ही टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में भारतीय तेज गेंदबाजी का

प्रमुख चेहरा बन गए। ईशांत ने देश और विदेश दोनों जगहों पर सफलता प्राप्त की। एमएस धोनी की कप्तानी में 2013 में इंग्लैंड को हराकर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के ईशांत अहम सदस्य रहे।

शर्मा का व्यापक असर टेस्ट क्रिकेट में दिखा। विराट कोहली की कप्तानी में देश और विदेश में टेस्ट में भारतीय टीम को मिली सफलता की एक वजह ईशांत की गेंदबाजी भी रही। शर्मा भारत के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में शामिल हैं जिन्हें 100 टेस्ट खेलने की उपलब्धि हासिल हो सकी है।

38 साल के होने जा रहे ईशांत शर्मा ने भारतीय टीम के लिए 105 टेस्ट मैच, 80 वनडे और 14 टी20 मैच खेले हैं। टेस्ट मैचों में उनके 311, वनडे में 115 और टी20 में 8 विकेट दर्ज हैं। ईशांत नवंबर 2021 के बाद से भारतीय टीम के लिए नहीं खेले हैं।

ईशांत निश्चित रूप से अब भारतीय टीम की योजना में नहीं हैं, लेकिन उन्होंने अब तक संन्यास नहीं लिया है। वह आईपीएल में गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं।

अली अब्बास जफर की फिल्म में गैंगस्टर बनेंगे अहान पांडे

यशराज बैनर की फिल्म 'सैयारा' से चर्चा में आए अभिनेता अहान पांडे अब अपने दूसरे बड़े प्रोजेक्ट के अंतिम चरण की शूटिंग में पहुंच गए हैं। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, निर्देशक अली अब्बास जफर की अनाम रोमांटिक-एक्शन फिल्म का करीब दो महीने लंबा यूनाइटेड किंगडम (यूके) शेड्यूल पूरा हो चुका है। इस दौरान फिल्म के कई अहम ड्रामेटिक सीक्वेंस और तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। फिल्म में अहान के साथ शरवरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

तीन बड़े गानों पर रहा खास फोकस

सूत्रों के अनुसार...'यूके शेड्यूल में फिल्म के तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। इनमें एक सोलो गीत पूरी तरह अहान पांडे के किरदार पर आधारित है, जिसे बर्मिंघम के टाउन हॉल इलाके में फेस्टिवल जैसे माहौल के बीच फिल्माया गया। इस गाने में बड़ी संख्या में डांसर्स और स्थानीय कलाकार शामिल हुए। वहीं, अहान और शरवरी पर दो रोमांटिक गानों की शूटिंग बर्मिंघम, कोवेंट्री, पेनरिथ और कार्लाइल की खूबसूरत लोकेशनों पर हुई।

गैंगस्टर बनने की यात्रा पर आधारित कहानी

फिल्म की कहानी को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक यह सिर्फ एक गैंगस्टर फिल्म नहीं होगी। कहानी एक ऐसे युवा की यात्रा दिखाएगी, जो परिस्थितियों के चलते अपराध की दुनिया में कदम रखता है।

फिल्म में मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे बॉबी देओल

फिल्म में बॉबी देओल का किरदार कहानी का अहम आधार होगा। बताया जा रहा है कि उनका पात्र अहान पांडे के किरदार को अपने संरक्षण में लेकर अपराध की दुनिया में आगे बढ़ाता है। यानी वह एक प्रभावशाली मेंटॉर के रूप में नजर आएंगे, जो कहानी की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं, ऐश्वर्य ठाकरे फिल्म के मुख्य विलेन की भूमिका में दिखाई देंगे।

कार्तिक की 'डोरोथी' में लीड रोल प्ले करेंगी कीर्ति सुरेश

निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज ने अपनी फिल्म 'डोरोथी' का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म में कीर्ति सुरेश मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि 'डोरोथी' उनके दिल के बेहद करीब है और वह इसे कई वर्षों से बनाना चाहते थे। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का म्यूजिक इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। वह इसके गाने और बैकग्राउंड स्कोर दोनों की जिम्मेदारी संभालेंगे। फिल्म में कीर्ति के अलावा सनंत और ऋषिकांत भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, मेकर्स ने अभी फिल्म की कहानी और बाकी स्टार कास्ट से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की है। कार्तिक की पिछली फिल्म 'रेट्रो' थी, जिसमें सूर्या और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म में जयराम, जोजू जॉर्ज और नासर ने भी अहम किरदार निभाए थे। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। अब यह फिल्म कार्तिक के निर्देशन में बनने वाली 10वीं फिल्म होगी। इसके जरिए कीर्ति सुरेश एक नई कहानी के साथ दर्शकों के सामने नजर आएंगी।

विजय देवरकोंडा संग नजर आएंगी कीर्ति

कीर्ति सुरेश हाल ही में फिल्म 'रिवॉल्वर रीटा' में नजर आई थीं। अब वह विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'राउडी जनार्धना' में दिखाई देंगी, जो दिसंबर में रिलीज होगी।

रोशन मैथ्यू के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी में दिखेंगी सिमर भाटिया

श्रीराम राघवन की 'इक्कीस' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली सिमर भाटिया अब अपने दूसरे प्रोजेक्ट के साथ फिर बड़े परदे पर दिखेंगी। बता दें कि सिमर, अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। जानकारी के मुताबिक, सिमर इस बार मलयालम एक्टर रोशन मैथ्यू के साथ एक अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी में नजर आएंगी। यह फिल्म एक इमोशनल और कैरेक्टर-ड्रिवन लव स्टोरी होगी। फिल्म का डायरेक्शन अधिराज बोस संभालेंगे, जो इस फिल्म से अपना फीचर डायरेक्शन डेब्यू कर रहे हैं। इन्होंने 'एक थी डायन' और 'तलवार' जैसी फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया है। इस रोमांटिक ड्रामा को आयुष माहेश्वरी अपने बैनर बीएलएम पिक्चर्स के तहत प्रोड्यूस करेंगे, जो पहले 'धक धक', 'लूप लपेटा' और 'यारियां 2' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुका है। फिल्म की शूटिंग नवंबर में शुरू होगी और मेकर्स की प्लानिंग है कि अगले साल के मध्य में इसे थिएटर्स में रिलीज किया जाए।

दूसरी ओर, रोशन जल्द ही 'ट्रायल बाय फायर' के डायरेक्टर प्रशांत नायर की नई स्कैम-थ्रिलर सीरीज 'जॉब ट्रैफिकिंग' में भी दिखेंगे, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर अगले साल की शुरुआत में रिलीज होने की उम्मीद है। इससे पहले रोशन मलयालम सिनेमा में 'सी यू सून', 'मूथोन' और हाल ही में आई 'उधिर' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके हैं।

हिट देने के प्रेशर को पॉजिटिव रूप से देखता हूं

दिग्गज निर्देशक राजकुमार हिरानी इस साल अपनी पहली वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' लेकर आए। इसकी सफलता, ओटीटी के बदलते मिजाज आदि पर उन्होंने खास बातचीत की...

क्या सोचा था कि पहला ओटीटी प्रोजेक्ट इतना सफल रहेगा?

ओटीटी को लेकर सालों से माना जाता रहा है कि यहां गंभीर और क्राइम जैसी कहानियां ज्यादा चलती हैं। इसलिए जब हम इसे लिख रहे थे तो शुरुआत में लगा कि फिल्म की तरह जल्दी जल्दी कहानी कह रहे हैं। मन में इसे लेकर शंका थी, लेकिन जब सीरीज को अच्छे नंबर मिलने लगे तो तसल्ली हुई कि हमारा रास्ता सही है। हमारा मानना है कि अगर कहानी दिल से लिखी जाए तो वह दर्शकों को जरूर पसंद आती है।

सीरीज बनने के लिए आपने इसी विषय को क्यों चुना?

जब कोई कहानी नई लगती है तो उसे कहने की इच्छा होती है। साइबर क्राइम पर कई फिल्में देखी थीं, लेकिन उनमें सिर्फ ऊपरी बातें दिखाई गई थीं। पहली बार पता चला कि किसी क्राइम को तकनीकी तरीके से कैसे सुलझाया जाता है। जैसे सीरीज में एटीएम चोरी के मामले को साइबर तकनीक की मदद से ट्रैक करने की पूरी प्रक्रिया दिखाई गई है। यही बात मुझे रोचक लगी और लगा कि फ्रॉड पकड़ने की ऐसी कहानी ओटीटी के लिए ज्यादा सही है, सिनेमा के लिए नहीं।

'प्रीतम एंड पेड्रो' को कॉमेडी के साथ जोड़ने का विचार कैसे आया?

कहानी कहने के कई तरीके होते हैं और उनमें कॉमेडी सबसे दिलचस्प तरीका है। साइबर क्राइम जैसे गंभीर विषय पर पहले से काफी कंटेंट बन रहा था, इसलिए मैंने इसे थोड़ा हल्का और मजेदार रखना चाहा। इसमें एक तरफ साइबर क्राइम की कहानी है, तो दूसरी तरफ दो दोस्तों की भी, जिनमें एक कंप्यूटर नहीं जानता और दूसरा क्राइम ब्रांच। मुझे वैसे भी हंसाने वाली कहानियां ज्यादा पसंद हैं।

क्या आप हमेशा एक हिट फिल्म देने का प्रेशर महसूस करते हैं?

जब भी कोई फिल्म बनती है, हम चाहते तो यही हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग उसे पसंद करें। लिखने के दौरान वो विचार तो बना ही रहता है और इसी वजह से स्क्रिप्ट के साथ अधिक से अधिक समय बिताते हैं और यह कोई निगेटिव प्रेशर नहीं है, इसको मैं पॉजिटिव रूप से देखता हूं और आजकल हर तरह की चीज लोग देख चुके हैं तो बतौर फिल्ममेकर हमारी कोशिश दर्शकों को कुछ अलग तरह का कंटेंट देने की रहती है।

फाउंड फुटेज फॉर्मेट में होगी वीर की 'बारा नंबर' की कहानी

कॉमेडियन और एक्टर वीर दास ने अपनी दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' की शूटिंग पूरी कर ली है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जिसे फाउंड फुटेज फॉर्मेट में बनाया गया है। इस फॉर्मेट में कहानी कैमरे से मिले फुटेज के जरिए आगे बढ़ती है। फिल्म में वीर डायरेक्टर और प्रोड्यूसर के साथ-साथ एक्टर के तौर पर भी नजर आएंगे। फिल्म को नरेश मलिक, जेफ लाजरस और कौशिक श्रीनिवासन की थर्ड फ्रेम स्टूडियो, कविता गुप्ता और विर की जादू प्रोडक्शंस ने को-प्रोड्यूस किया है। कवी शास्त्री क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में शीबा चड्ढा, सुहैल नय्यर, अरुणोदय सिंह, अहसास चन्ना, अतुल कुलकर्णी, निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, पूजा सरूप और नवीन कौशिक समेत कई कलाकार हैं। फिल्म की कहानी फाउंड फुटेज के जरिए आगे बढ़ेगी। इसमें कैमरे से रिकॉर्ड हुए फुटेज को कहानी का हिस्सा बनाया गया है। फिल्म का फोकस किरदारों की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उनके आसपास होने वाली घटनाओं पर रहेगा। इस फॉर्मेट के चलते फिल्म में पारंपरिक शूटिंग स्टाइल के बजाय कैमरा खुद कहानी का हिस्सा नजर आएगा। वीर ने बताया कि इस फिल्म को बनाना उनके लिए अलग अनुभव रहा। उनके मुताबिक, फाउंड फुटेज फॉर्मेट में कलाकारों को भी अपने अभिनय में स्वाभाविकता बनाए रखने पर काम करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म में सभी कलाकारों ने इस अलग तरह की कहानी पर काम करने के लिए प्रयोग किए। शूटिंग पूरी होने के बाद अब फिल्म एडिटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में जाएगी। बता दें कि वीर को पिछली बार फिल्म 'हैप्पी पटेल...' में देखा गया था। इस फिल्म को भी उन्होंने डायरेक्ट किया था।

डालिंब में जितेंद्र कुमार का रहस्यमयी अवतार

कहानी में दिखेगा मनोविज्ञान और आस्था का खेल

'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार का एक नया प्रोजेक्ट ओटीटी पर दस्तक देने की तैयारी में है। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'डालिंब' है, जो सीधे श्वश्वर पर रिलीज होगी। मराठी में 'डालिंब' का अर्थ अनार होता है, हालांकि यह एक हिंदी भाषी फिल्म है। इसमें जितेंद्र के साथ प्रिया बापट भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मुंबई की एक बहुमंजिला इमारत में सेट है, जहां एक बच्चे के अचानक गायब होने के बाद रहस्य की परतें खुलनी शुरू होती हैं।

जितेंद्र-बुल्लू का नहीं होगा 'पंचायत' जैसा टकराव

फिल्म में जितेंद्र के साथ उनके 'पंचायत' के साथी कलाकार बुल्लू कुमार भी हैं। सूत्रों के मुताबिक, बुल्लू और जितेंद्र इसमें एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं बल्कि दोनों अपने-अपने किरदार और कहानी के हिस्से के मुताबिक आगे बढ़ते हैं। यहां दोनों के बीच 'पंचायत' जैसी नोक-झोंक नहीं होगी।

'डालिंब' की कहानी का मुख्य बैकड्रॉप मुंबई की एक हाई-राइज बिल्डिंग है। टीजर में भी बच्चे के गायब होने और उसके बाद पैदा होने वाले तनाव की झलक दिखाई गई है। मेकर्स ने कहानी के बड़े हिस्से को अभी छिपाकर रखा है। इसे सिर्फ बच्चे की तलाश वाली कहानी मानना सही नहीं होगा। इसे साइकोलॉजिकल थ्रिलर के तौर पर पेश किया जा रहा है। इस कहानी में कई ऐसे प्लॉट और सस्पेंस हैं जो चौंकाएंगे।

सूत्रों से हुई बातचीत में फिल्म के बारे में एक और दिलचस्प संकेत मिला। 'डालिंब' में आस्था का पहलू भी देखने को मिल सकता है। सूत्र ये भी कहते हैं कि आस्था और मनोविज्ञान का यह मेल 'डालिंब' को पारंपरिक क्राइम थ्रिलर से अलग बनाता है।

कहानी में रहस्य तो है, लेकिन इसके साथ इंसानी सोच और विश्वास को भी जगह दी गई है। यही कारण है कि फिल्म को 'रमन राघव 2.0' या 'असुर' जैसी पारंपरिक मर्डर मिस्ट्री के साथ सीधे जोड़ना ठीक नहीं होगा। 'डालिंब' का ट्रीटमेंट इससे अलग बताया जा रहा है।

'पंचायत' के सचिव जी के तौर पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले जितेंद्र के लिए 'डालिंब' एक अलग तरह का प्रयोग है। उनका किरदार फिल्म में काफी लेयर्ड है और इसे उनकी स्थापित कॉमिक इमेज से अलग रखने की कोशिश की गई है। 'डालिंब' उन्हें एक ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। साथ ही हाई-राइज बिल्डिंग का सेटअप इस कहानी की अहम जरूरत है। प्रिया और जितेंद्र पहली बार इस तरह की साइकोलॉजिकल थ्रिलर में साथ दिखाई देंगे। 'डालिंब' में जितेंद्र और बुल्लू की मौजूदगी 'पंचायत' के दर्शकों के लिए जरूर एक कनेक्शन बनाएगी। सूत्रों ने बताया कि 'डालिंब' में बुल्लू एक सिक्योरिटी गार्ड की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार उत्तर भारत से आया हुआ है और मुंबई की उस बिल्डिंग में सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा है, जहां फिल्म की पूरी कहानी घटती है। यह किरदार इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि कहानी का बड़ा हिस्सा इसी बिल्डिंग के भीतर है।

प्रिया एवेन करेंगी निर्देशन में डेब्यू, अधिकतर शूट मुंबई में ही हुआ है

'डालिंब' के जरिए प्रिया एवेन फीचर फिल्म निर्देशन में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहानी को एक सीमित लोकेशन के भीतर रखते हुए किरदारों और उनके मनोविज्ञान पर फोकस किया है। बच्चे के गायब होने के साथ शुरू होने वाला यह रहस्य धीरे-धीरे वहां रहने वाले हर किरदार की जिंदगी को अपनी चपेट में लेता चला जाता है। फिल्म की शूटिंग का ज्यादातर हिस्सा मुंबई में ही शूट किया गया है।

बीरा जी अंगना, कोहका भिलाई में बेल्ट एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आयोजित

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

सेइको काई कराटे इंटरनेशनल छत्तीसगढ़ द्वारा बीरा जी अंगना, कोहका भिलाई में बेल्ट एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने प्रतिभावान कराटे खिलाड़ियों को बेल्ट एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि युवाओं का अनुशासन, आत्मविश्वास और समर्पण उन्हें सफलता की नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इस अवसर पर सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई के पदाधिकारी, कराटे प्रशिक्षकगण और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राजहरा माइंस अस्पताल के मेगा मेडिकल कैंप में 636 मरीजों को मिली विशेषज्ञ चिकित्सा सेवा

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस अस्पताल में 1 सितंबर को आयोजित मेगा मेडिकल कैंप में कमर्चारियों, हितग्राहियों और आसपास के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गई। शिविर में विभिन्न रोगों के 636 मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों ने परामर्श, परीक्षण और उपचार किया।

शिविर में पेन मैनेजमेंट, शिशु रोग, ईएनटी, मेडिसिन, अस्थि रोग, नेत्र रोग तथा प्रसूति एवं स्त्री रोग सहित विभिन्न विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान की गईं। एक ही स्थान पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता से मरीजों को जांच, उपचार और आवश्यक स्वास्थ्य मार्गदर्शन का लाभ मिला।

शिविर में विभिन्न रोगों के 636 मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों ने परामर्श, परीक्षण और उपचार किया

कैंप में पेन मैनेजमेंट विशेषज्ञ डॉ. कुमुदनी तिग्गा, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. कौशिक किशोर, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. अश्विन अशोक जैसवाल, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. पूनम प्रसाद, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकुर कुंडू, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुलभ साहू तथा स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या तेजस्विनी ने मरीजों को सेवाएं दीं।

विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ फिजियोथेरेपी से पी.आर. जयबास्कर, नर्सिंग से लता मिश्रा तथा रेडियोलॉजी से कक्षोल मैती ने भी शिविर के संचालन में योगदान दिया। शिविर के सफल आयोजन में राजहरा माइंस अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और सहयोगी कमर्चारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कैंप का आयोजन सीएमओ एवं एचओएम डॉ. उदय कुमार, सीएमओ डॉ. सम्विता पांडा, सीजीएम राजहरा माइंस आनंद कुमार सिंह तथा एचआर एवं पर्सनल विभाग के मार्गदर्शन और समन्वय में किया गया। सेल-बीएसपी की ओर से आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से कमर्चारियों, हितग्राहियों और आसपास के समुदाय को सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

रायपुर में अतिक्रमण पर चला पुलिस-निगम का डंडा तेलीबांधा में संयुक्त कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुगम यातायात के लिए रायपुर पुलिस कमिश्नरेट और नगर निगम की संयुक्त टीम ने तेलीबांधा क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ सघन अभियान चलाया। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देश और डीसीपी यातायात डॉ. अर्चना झा के मार्गदर्शन में पीडब्ल्यूडी चौक से नेताजी होटल तिराहा, रिंग रोड और श्याम नगर मार्ग पर कार्रवाई की गई। सड़क पर अवैध रूप से लगे ठेले, गुमटियों और दुकानों के कब्जे हटाए गए। नियम तोड़ने वालों पर मौके पर चालान किया गया और सड़क घेरकर लगे विज्ञापन बोर्ड व होर्डिंग्स जब्त किए गए। यातायात पुलिस ने बताया कि इससे पहले टाटीबंध और पचपेड़ी नाका में भी कार्रवाई हुई थी और आगे भी अभियान जारी रहेगा।

6वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन, सांसद विजय बघेल ने बांटे पुरस्कार

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण और समापन समारोह गुरुवार को कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता 31 अगस्त से 3 सितंबर तक दुर्ग-भिलाई में आयोजित की गई थी।

मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल ने कहा कि खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास का माध्यम है। उन्होंने अपने स्कूली जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की साय सरकार खेलों को बढ़ावा दे रही है, जिससे खिलाड़ी राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तिरंगा लहरा रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक ललित चंद्राकर ने की। महापौर अलका बघमार ने कहा कि खेल से बच्चों का समग्र विकास होता है। समापन पर विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए।

पंचशील पंजाबी एसोसिएशन ने मनाया जन्माष्टमी महोत्सव

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

पंचशील पंजाबी एसोसिएशन द्वारा पंजाबी पैलेस, सेक्टर-5 भिलाई में कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दुर्ग सांसद विजय बघेल का शाल-श्रीफल भेंटकर स्वागत किया गया। संयोजक अजय भसीन ने समाज से एकजुट होकर जनहित के कार्यों में सांसद का समर्थन करने का आह्वान किया। सांसद बघेल ने संस्था के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100